दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-13 | झुंझुनू (राजस्थान) | मंगलवार, 2 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस दिन इंसान अपनी सोच बदल लेता है, उसी दिन उसकी किस्मत बदलने लगती है, क्योंकि हालात कभी रोक नहीं पाते–रोकता है तो बस मन का भय और कल पर टाल देने की आदत। '

पूरा सिस्टम जंग खा गया है: भाजपा विधायक

विधानसभा स्पीकर और मंत्री बात करने लगे तो कहा- हम चले जाते हैं, आप बातचीत कर लो

भीम प्रज्ञा न्यूज

अजमेर। अजमेर में भाजपा विधायक अनिता भदेल ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के सामने कहा- पूरा सिस्टम जंग खा गया है। सरकारी विभागों में धक्का मारे बिना कोई काम नहीं होता है। इसके लिए नेता को हर स्तर पर जूझना पड़ता है। भदेल के संबोधन के बीच विधानसभा अध्यक्ष और मंत्री बात करने लगे तो भदेल ने कहा- देवनानी जी आप तो बात कर लेंगे, मंत्री जी आपके पास आ जाएंगे, लेकिन मंत्री महोदय हमारी कभी-कभी सुनते हैं। या तो हम चले जाते हैं, आप ही बात कर लो। अनिता भदेल ने कहा- हम तो मंत्री जी को सुनाने के लिए आए हैं। इस पर देवनानी ने कहा- मंत्री जी आपकी सुन रहे हैं तो भदेल ने कहा- आप भी सुनो क्योंकि आप भी अध्यक्ष हो, आप सुनोगे तो ठीक रहेगा।

विधायक बोलीं- इस स्कीम के लिए मैंने बहुत मेहनत की

विधायक अनिता भदेल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा- इस क्षेत्र के बारे में पता किया तो सामने आया कि पूरी जमीन अजमेर विकास प्राधिकरण की है। इसके बाद स्कीम बनाने की शुरुआत की थी। एडीए ने मुझसे पूछा कि इसका नाम क्या दिया जाए। भदेल ने कहा- धन्यवाद एडीए को कि उन्होंने हमें महत्व दिया और कम से कम नाम हमसे पूछा, नहीं तो अपनी मर्जी से कोई भी नाम रख देते। हमसे पूछा तो हमने हमारे संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से योजना रखने के लिए प्रस्ताव रखा था। इसमें 288 प्लॉट है। विधायक ने कहा- इस स्कीम के लिए मैंने बहुत मेहनत की है। सरकारी सिस्टम में इतनी जंग लग गई है कि वहां हर बार धक्का देना पड़ता है। एडीए में धक्का मार बिना कोई काम नहीं होता है। उसके लिए नेता को हर स्तर पर जूझना पड़ता है।

पोस्टर पर विधायक की फोटो नहीं थी, कार्यकर्ता नाराज हुए

दरअसल, अजमेर विकास प्राधिकरण (एडीए) ने सोमवार को नसीराबाद रोड स्थित माखुपुरा खेल मैदान में श्यामा प्रसाद मुखर्जी नगर योजना को लेकर कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के लिए बने मंच पर लगे पोस्टर में अजमेर दक्षिण से विधायक अनिता भदेल की फोटो नहीं होने पर उनके कार्यकर्ता भड़क गए और हंगामा खड़ा कर दिया। कार्यकर्ता विरोध करते हुए कार्यक्रम स्थल से बाहर निकल गए। इस दौरान एडीए के अधिकारियों ने कार्यकर्ताओं का समझाने की कोशिश की, लेकिन कार्यकर्ता नहीं रुके। कुछ देर बाद अनिता भदेल कार्यक्रम में पहुंचीं तो कार्यकर्ताओं ने उनसे पोस्टर में फोटो नहीं होने की शिकायत की।

कार्यकर्ताओं ने विधायक से कार्यक्रम में शामिल नहीं होने के लिए कहा। विधायक ने नाराजगी उपायुक्त से कहा कि क्या हम प्रोटोकॉल में नहीं आते हैं?, हम चले जाते हैं मंत्री जी से प्रोग्राम करवा लो। विधायक ने कहा- मेरे कार्यकर्ता नहीं रहेंगे तो मैं यहां कैसे रहूंगी। मेरे कार्यकर्ताओं के पीछे ही तो मैं हूं। आयुक्त से विधायक की बातचीत के बाद मामला शांत हो गया।

डेयरी बूथ की आड़ में सड़क पर किया अतिक्रमण

भदेल ने कहा- डेयरी बूथ की आड़ में सड़क पर अतिक्रमण किया जा रहा है। लोगों को चलने के लिए सड़क पर रास्ता नहीं है। अशोक गहलोत के सलाहकार ने यह नया रास्ता निकाला था। किसी तरह से जिसको बूथ अलॉट होगा उन्हें श्रेय देंगे और हमारी सरकार बना देंगे। लेकिन अब अशोक गहलोत की दोबारा सरकार नहीं बनेगी। चाहे उन्होंने कितने भी डेयरी बूथ लगा दिए हो।

भदेल ने मंत्री से कहा- अंत में यह निवेदन है और यह राजनीतिक बात है। यह आपके कान में भी मैं कह चुकी हूं, लेकिन आप कहोगे तो मैं वापस आपके कान में कह दूंगी और सार्वजनिक नहीं कहूंगी। लेकिन इतना ही निवेदन है कि आपको यह मंत्रालय मिला। इस मंत्रालय में बहुत सारा काम करने का स्कोप है। मेरा यही आग्रह है कि हमारे कुछ अच्छे अधिकारी हैं और मैं जिनकी बात कर रही हूं, उनको भी आप यहां पर पद स्थापित कर दें।

डॉ. श्यामलाल बैरवा बने अजमेर संभाग कांग्रेस SC विभाग के प्रभारी, केकड़ी में खुशी की लहर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.केकड़ी।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने संगठन में महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की हैं। इसी क्रम में, केकड़ी के डॉ. श्यामलाल बैरवा को अजमेर संभाग का प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनकी यह नियुक्ति पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अनुसूचित जाति विभाग की अध्यक्ष ममता भूपेश और पूर्व कैबिनेट मंत्री डॉ. रघु शर्मा की अनुशंसा पर की गई है। डॉ. श्यामलाल बैरवा को अजमेर संभाग का प्रभारी बनाए जाने की खबर से पूरे केकड़ी क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। संभाग प्रभारी के रूप में वह अजमेर संभाग में कांग्रेस के अनुसूचित जाति विभाग के कार्यों और संगठन को मजबूत करने का काम देखेंगे। इस नई और महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने पर डॉ. बैरवा को उनके सभी शुभचिंतकों, समर्थकों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ढेर सारी शुभकामनाएँ दी हैं। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई है कि डॉ. बैरवा अपने अनुभव और समर्पण से पार्टी को संभाग में और अधिक मजबूती प्रदान करेंगे।

पाना देवी-अर्जुन राम मेघवाल दंपति ने प्रधानमंत्री को भेंट की मोतियों की हस्तनिर्मित बंदनवार

राजस्थान की लोक कला और बीकानेर की सांस्कृतिक पहचान को मिला राष्ट्रीय मंच

भीम प्रज्ञा न्यूज़ नई दिल्ली।

बीकानेर जिले के लिए सोमवार का दिन गर्व और उत्साह से भरा रहा, जब बीकानेर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं भारत सरकार के कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल अपनी धर्मपत्नी पाना देवी मेघवाल के साथ नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात के लिए पहुंचे। इस मुलाकात को विशेष बनाने वाली बात यह रही कि पाना देवी मेघवाल ने प्रधानमंत्री को अपने हाथों से तैयार की गई राजस्थानी पारंपरिक मोतियों की बंदनवार स्मृति-भेंट के रूप में समर्पित की। यह बंदनवार सूक्ष्म कारीगरी, रंगीन मोतियों की कलात्मक सजावट और राजस्थान की समृद्ध लोक-संस्कृति का अनूठा प्रतीक है।राजस्थान की कला-संपन्न परंपरा में घर की चौखट पर लगाई जाने वाली बंदनवार शुभता, मंगलकामना और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक मानी जाती है। पाना देवी द्वारा तैयार यह कलाकृति न केवल हस्तशिल्प की उत्कृष्टता दर्शाती है बल्कि बीकानेर की महिलाओं की मेहनत, रचनात्मकता और सांस्कृतिक विरासत को भी राष्ट्रीय मंच पर स्थापित करती है।भावना मेमोरियल ट्रस्ट, बीकानेर की प्रधान ट्रस्टी के रूप में पाना देवी वर्षों से पारंपरिक डिजाइनों को आधुनिक सौंदर्य के साथ जोड़कर उत्कृष्ट हस्तनिर्मित वस्तुएँ तैयार करती रही हैं। उनके द्वारा तैयार की गई इस बंदनवार की देश के प्रधानमंत्री तक पहुँच को बीकानेर और राजस्थान के लिए एक महत्वपूर्ण सम्मान के रूप में देखा जा रहा है। मुलाकात के अवसर पर अर्जुन राम मेघवाल की सादगीपूर्ण छवि, जनसेवा के प्रति समर्पण और सांस्कृतिक जुड़ाव एक बार फिर चर्चा का विषय बने। उनकी पुस्तक 'एक सफर हमसफर के साथ' में आज जैसे एक नया प्रेरणादायक अध्याय जुड़ गया हो। बीकानेर जिले से लेकर पूरे राजस्थान में इस खबर से हर्ष की लहर है। लोगों का कहना है कि यह क्षण न केवल मेघवाल समाज बल्कि प्रदेश की कला-धरोहर और हस्तशिल्प कौशल के लिए भी गौरव का अवसर है। स्थानीय संगठनों, समाज प्रतिनिधियों और सांस्कृतिक प्रेमियों ने दंपति को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि राजस्थान की पारंपरिक कला को राष्ट्रीय पहचान दिलाना हम सभी के लिए गर्व की बात है।

जयपुर में सड़कों पर उतरे जज, स्कूल वाहन किए चेक:बच्चों को लेकर आने वाली बस, वैन और ऑटो को जांचा; चालान काटे, गाड़ियां जब्त

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। जयपुर शहर में सोमवार सुबह 7 बजे जज मोबाइल मजिस्ट्रेट, आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की टीम के साथ सड़कों पर उतरे। उन्होंने शहर के कई स्कूलों में बच्चों को लेकर आने वाली बस, वैन और ऑटोरिक्शा को जांचा। इस दौरान नियमों की पालना नहीं करने वाले वाहन ड्राइवरों के चालान काटे गए। कई वाहन जब्त भी किए गए। दरअसल, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (रालसा) के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिवों (जज) ने आज जयपुर शहर में स्कूल वाहनों को चेक किया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रथम के सचिव दीपेंद्र माथुर और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वितीय की सचिव पल्लवी शर्मा ने करीब दो घंटे तक वाहनों की जांच की।

इमरजेंसी एग्जिट नहीं

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने 21 पॉइंट पर वाहनों का निरीक्षण किया। लेकिन एक भी वाहन ऐसा नहीं मिला, जिसने सभी नियमों की पालना पूरी की हो। एक-दो वाहन छोड़कर किसी में भी फर्स्ट एड किट नहीं मिला। किसी भी वाहन में जीपीएस नहीं लगा था, जिससे स्कूल इन्हें ट्रैक कर सके। वैन और ऑटो में तो आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) की कोई व्यवस्था ही नहीं मिली।

ड्राइवर के साथ सहायक उपलब्ध नहीं

नियमों के तहत स्कूल वाहनों में ड्राइवर के साथ सहायक का मौजूद होना भी अनिवार्य किया हुआ है। जिससे बच्चों को बस में चढ़ाने और उतारने में आसानी हो सके। लेकिन ज्यादातर वाहनों में सहायक मौजूद ही नहीं था। ड्राइवर के भरोसे ही इन वाहनों का संचालन हो रहा था। स्कूल वैन और ऑटो में पीली स्ट्रिप नहीं होने के कारण भी उनके चालान काटे गए। वहीं मानसरोवर के मॉडर्न पब्लिक स्कूल में ड्राइवर के पास लाइसेंस नहीं मिलने, वर्दी में नहीं होने, बस के कागजात नहीं होने के भी चालान मौके पर ही काटे गए।

वाहनों को जब्त किया

बनीपार्क में चिल्ड्रन एकेडमी में 15 साल की अवधि पार कर चुके वाहन से बच्चों को लाने और ले जाने का काम किया जा रहा था। जज पल्लवी शर्मा ने मौके पर ही इस वाहन को जब्त करने के निर्देश दिए। आरटीओ और ट्रैफिक पुलिस की टीम ने वाहनों को जब्त करने की कार्रवाई की। बनीपार्क में माहेश्वरी पब्लिक स्कूल की एक वैन में कैपेसिटी से ज्यादा बच्चे थे। इस वैन को भी जब्त किया गया।

साल में तीन बार निरीक्षण अनिवार्य

रालसा ने प्रदेश के सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को एक साल में कम से कम तीन बार स्कूल वाहनों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं। इनकी वार्षिक रिपोर्ट 10 अप्रेल, 10 अगस्त और 10 दिसंबर तक रालसा को भिजवानी होगी। वहीं हर महीने होने वाले निरीक्षण की रिपोर्ट माह की 15 तारीख तक भिजवाने के निर्देश दिए गए हैं।

चंडीगढ़ में नहीं बनेगा हरियाणा के लिये अलग विधानसभा भवन

क्रेन्दीय गृह मंत्रालय ने हरियाणा सरकार की मांग खारिज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चंडीगढ़।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ):। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हरियाणा सरकार की चंडीगढ़ में नए विधानसभा भवन बनाने की मांग को खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को साफ सलाह दी है कि इस मामले में अब चंडीगढ़ प्रशासन से किसी तरह की आगे की कार्रवाई न करें। केंद्र सरकार ने चंडीगढ़ को स्वतंत्र यूनियन टेरेटरी का ऐलान करने? के लिए 131वें शोध बिल को वापस लेने के बाद पंजाब के लिए यह दूसरा बड़ा फैसला लिया गया है। यह मुद्दा तब चर्चा में आया था जब जुलाई 2022 में जयपुर में हुई उत्तरी जोनल काउंसिल की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा को नई विधानसभा के लिए भूमि उपलब्ध कराने की घोषणा की थी। इसके बाद जुलाई 2023 में प्रशासन ने 10 एकड़ जमीन हरियाणा को देने पर सहमति जताई थी । यह जमीन चंडीगढ़ के आईटी पार्क के पास रेलवे लाइट पॉइंट के नजदीक है और इसकी कीमत करीब 640 करोड़ रुपए आंकी गई। योजना के तहत हरियाणा ने बदले में पंचकूला के सेक्टोरियल क्षेत्र के पास 12 एकड़ ज़मीन देने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन जनवरी 2024 में यूटी प्रशासन ने विस्तृत सर्वे के बाद इसे खारिज कर दिया। शहरी नियोजन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार यह जमीन नीची थी, बीच से नाला गुजरता था और कनेक्टिविटी भी उचित नहीं थी । इसे सार्वजनिक उपयोग के लिए अनुपयुक्त बताया गया। महीनों से चल रही बातचीत के बाद केंद्र ने हरियाणा को स्पष्ट कर दिया कि मंत्रालय इस मुद्दे को आगे नहीं बढ़ाएगा।

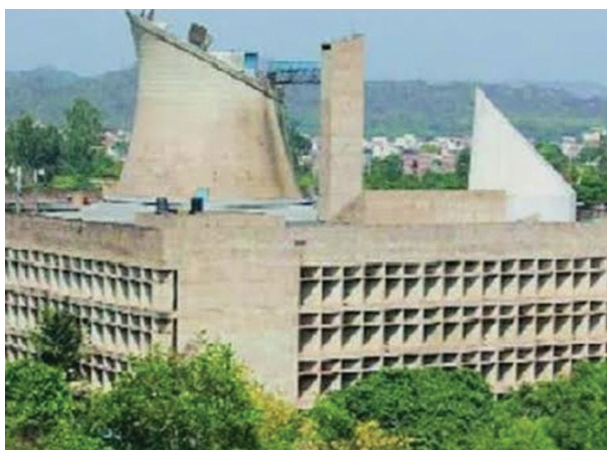

अन्तर महाविद्यालय क्रॉस-कंट्री एवं बास्केटबॉल प्रतियोगिता का महाविद्यालय में शुभारंभ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.गुढ़ा।

सेठ श्री केदारनाथ मोदी राजकीय महाविद्यालय, गुढ़ा (झुंझुनू) में दिनांक 02.12.2025 को पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर द्वारा आयोजित अंतर महाविद्यालय क्रॉस-कंट्री (पुरुष एवं महिला वर्ग) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। यह महाविद्यालय परिवार के लिए अत्यंत गौरव का विषय है कि महाविद्यालय लगातार चैथी बार इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है। ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में खेल भावना, प्रतिस्पर्धात्मक उत्कृष्टता तथा स्वस्थ शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहन मिलता है। महाविद्यालय की प्राचार्य ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि क्रॉस-कंट्री प्रतियोगिता का शुभारंभ प्रातः 06.30 बजे हरी झंडी दिखाकर किया जाएगा। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि खेल न केवल शारीरिक फिटनेस का आधार हैं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास, नेतृत्व-क्षमता और टीम-स्पिरिट को भी विकसित करते हैं। महाविद्यालय के खेल सचिव डॉ. कुलदीप ढाका ने प्रतियोगिता की रूपरेखा, मार्ग, आयोजन व्यवस्था, सुरक्षा प्रबंधन तथा अन्य तकनीकी पहलुओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि महाविद्यालय द्वारा सभी व्यवस्थाएँ विश्वविद्यालय मानकों के अनुरूप की गई हैं, ताकि प्रतिभागी विद्यार्थियों को बेहतर खेल वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। इस अंतर महाविद्यालय क्रॉस-कंट्री प्रतियोगिता में सीकर एवं झुंझुनू जिले के विभिन्न राजकीय एवं निजी महाविद्यालयों के विद्यार्थी उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इसके अतिरिक्त, महाविद्यालय परिसर में 03.12.2025 से 04.12.2025 तक अंतर महाविद्यालय बास्केटबॉल प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा। बास्केटबॉल के इस दो दिवसीय आयोजन के लिए तकनीकी समितियों, निर्णायकों, प्रबंधन टीम तथा मैदान की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं।

विद्युत कर्मचारियों ने अजमेर डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक के नाम सोपा ज्ञापन

उदयपुरवाटी सहायक अभियंता महरिया को ज्ञापन के माध्यम से कराया अवगत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी

सुमेर मीणा । कस्बे के पास सीकर रोड पर स्थित विद्युत विभाग के कार्यालय पर विद्युत विभाग के कर्मचारियों ने सोमवार को अजमेर विद्युत वितरण निगम श्रमीक संघ के बैनर तले श्रमीक समस्याओं पर सहायक अभियंता मनफूल सिंह महरिया को प्रबंधक निदेशक के नाम ज्ञापन प्रस्तुत किया ज्ञापन में लिखा गया है कि बहुत लंबें समय से कर्मचारियों का इंसेंटिव भुगतान नहीं किया गया जिसके चलते कर्मचारियों में भारी रोष व्याप्त है द्य ज्ञापन में बताया गया कि अगर श्रमीक समस्याओं का समय पर निराकरण नहीं होता है तों मजबूर होकर आंदोलन कि और अग्रसर होना पड़ेगा जिसकी जिम्मेदारी निगम प्रशासन कि होगीद्य बार बार समय समय पर कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से बताया कि इंसेंटिव का भुगतान किया जाए जिसकी आज तक किसी भी तरह कि कोई सुनवाई नहीं हुई द्य आगामी आदेश अनुसार धरना प्रदर्शन को मजबुर होना पड़ेगा ज्ञापन में मुख्य अध्यक्ष सीताराम सैनी, सचिव राम सिंह सैनी, सदस्य विनोद, कन्हैयालाल, सुदर्शन, मनोज कुमार, सुरेन्द्र कुमार, मोहन लाल, कैलाश चंद्र, अनिल शर्मा, बनवारी लाल सहित कई कर्मचारी मौजूद रहें।

भारत का आर्थिक विकास - सहकारिता से समृद्धि की ओर

प्रहलाद सबनानी

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है।

भारत एक कृषि प्रधान देश रहा है और हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों का अनुपालन करते हुए ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक आपस में भाई-चारे के साथ मिलजुलकर रहते आए हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो सहकार की भावना हम भारतीयों के डीएनए में है। इसी विषय के दृष्टिगत एक बार पुनः आज भारत के प्रत्येक गांव को खुशहाल एवं समृद्ध बनाने की लिए समस्त गावों को सहकारिता से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सहकार से समृद्धि का नारा भी इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर दिया गया है। भारत में आज सहकारी समितियों की स्थापना को बढ़ावा दिया जा रहा है क्योंकि भारत में सहकारी समतियां, स्व-सहायता, स्व-जिम्मेदारी, लोकतंत्र, समानता, न्याय एवं एकजुटता जैसे भारतीय मूल्यों के आधार पर कार्य करती हुई दिखाई देती हैं। साथ ही, जिन 7 सिद्धांतों के आधार पर इन समितियों के कार्य करने की अपेक्षा रहती है, उससे इन समितियों के सफल होने की सम्भावना बढ़ जाती है। यह 7 सिद्धांत हैं - खुली और स्वैच्छिक सदस्यता; लोकतांत्रिक तरीके से सदस्यों की भागीदारी; सदस्यों की आर्थिक भागीदारी; स्वायत्तता और स्वतंत्रता; शिक्षा, प्रशिक्षण और सूचनाः कोआपरेटिव के बीच सहयोग; समुदाय के प्रति सरोकार।

सहकारिता वह संगठन है जिसके द्वारा दो या दो से अधिक व्यक्ति स्वेच्छापूर्ण मिलजुल कर समान स्तर पर आपसी आर्थिक हितों की वृद्धि करते हैं। इस प्रकार सहकारिता उस आर्थिक व्यवस्था को कहते हैं जिसमें मनुष्य किसी आर्थिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए मिलजुल कर कार्य करते हैं। समृद्धि केवल धन-संपत्ति से कहीं अधिक है, यह तब होती है जब सभी लोगों को फलने-फूलने का अवसर और स्वतंत्रता प्राप्त होती है। समृद्धि एक समावेशी समाज पर आधारित होती है, जिसमें एक मजबूत सामाजिक अनुबंध होता है जो प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करता है। सहकारिता का मुख्य उद्देश्य सदस्यों के जीवन को बेहतर बनाना और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। यह एक ऐसा संगठन है जो सदस्यों को सशक्त बनाता है और उन्हें अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए एक साथ काम करने का अवसर प्रदान करता है।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरूआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को शीघ्र ही यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब 'सहकार से समृद्धि' की परिकल्पना के

साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है।

भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध्यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1.5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2.5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। संचालन और कार्यों की प्रकृति के आधार पर मुख्यतः छह प्रकार की सहकारी समितियां होती हैं। इनमें उपभोक्ता सहकारी समितियां, उत्पादक सहकारी समितियां, विपणन सहकारी समितियां, कृषक सहकारी समितियां, ऋण सहकारी समितियां और सहकारी आवास समितियां शामिल हैं।

उक्त वर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021-22 तक के हैं। 29 जून, 2022 को भारत सरकार द्वारा 63,000 क्रियाशील प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (पीएसीएस) के कम्प्यूटरीकरण के लिए 2,516 करोड़ रुपये के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ परियोजना को मंजूरी दी गई थी।

इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिति लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के करोड़ों नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था एवं केंद्र सरकार द्वारा अब किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी नि ित ही सुधार होगा, ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए।

भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पि मी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं। देश के उत्तरी भाग, मध्य भाग, उत्तर-पूर्व भाग में दुग्ध उत्पादन का कार्य संतोषजनक रूप से नहीं हो पा रहा है। जबकि ग्रामीण इलाकों में तो बहुत बड़ी जनसंख्या को डेयरी उद्योग से ही सबसे अधिक आय हो रही है। अतः देश के सभी भागों में डेयरी उद्योग को बढ़ावा दिए जाने की आवश्यकता है। केवल दुग्ध सहकारी समितियां स्थापित करने से इस क्षेत्र की समस्याओं का हल नहीं होगा। डेयरी उद्योग को अब पेशेवर बनाने का समय आ गया है। गाय एवं भैंस को चिकित्सा सुविधाएं एवं उनके लिए चारे की व्यवस्था करना, आदि समस्याओं का हल भी खोजा जाना चाहिए। साथ ही, ग्रामीण इलाकों में किसानों की आय को दुगुना करने के लिए सहकारी क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों की स्थापना करनी होगी। इससे खाद्य सामग्री की बबार्दी को भी बचाया जा सकेगा। एक अनुमान के अनुसार देश में प्रति वर्ष लगभग 25 से 30 प्रतिशत फल एवं सब्जियों का उत्पादन उचित रख रखाव के अभाव में बर्बाद हो जाता है।

शहरी क्षेत्रों में गृह निर्माण सहकारी समितियों का गठन किया जाना भी अब समय की मांग बन गया है क्योंकि शहरी क्षेत्रों में मकानों के अभाव में बहुत बड़ी जनसंख्या झुग्गी झोपड़ियों में रहने को विवश है। अतः इन गृह निर्माण सहकारी समितियों द्वारा मकानों को बनाने के काम को गति दी जा सकती है। देश में आवश्यक वस्तुओं को उचित दामों पर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कंजूमर सहकारी समितियों का भी अभाव है। पहिले इस तरह के संस्थानों द्वारा देश में अच्छा कार्य किया गया है। इससे मुद्रा स्फीति की समस्या को भी हल किया जा सकता है।

देश में व्यापार एवं निर्माण कार्यों को आसान बनाने के उद्देश्य से ईज आफ डूइंग बिजिनेस के क्षेत्र में जो कार्य किया जा रहा है उसे सहकारी संस्थानों पर भी लागू किया जाना चाहिए ताकि इस क्षेत्र में भी काम करना आसान हो सके। सहकारी संस्थानों को पूंजी की कमी नहीं हो इस हेतु भी प्रयास किए जाने चाहिए। केवल ऋण के ऊपर अत्यधिक निर्भरता भी ठीक नहीं है। सहकारी क्षेत्र के संस्थान भी पूंजी बाजार से पूंजी जुटा सकें ऐसी व्यवस्था की जा सकती हैं। विभिन्न राज्यों के सहकारी क्षेत्र में लागू किए गए कानून बहुत पुराने हैं। अब, आज के समय के अनुसार इन कानूनों में परिवर्तन करने का समय आ गया है। सहकारी क्षेत्र में पेशेवर लोगों की भी कमी है, पेशेवर लोग इस क्षेत्र में टिकते ही नहीं हैं। डेयरी क्षेत्र इसका एक जीता जागता प्रमाण है। केंद्र सरकार द्वारा सहकारी क्षेत्र में नए मंत्रालय का गठन के बाद यह आशा की जानी चाहिए के सहकारी क्षेत्र में भी पेशेवर लोग आकर्षित होने लगेंगे और इस क्षेत्र को सफल बनाने में अपना भरपूर योगदान दे सकेंगे। साथ ही, किन्हीं समस्याओं एवं कारणों के चलते जो सहकारी समितियां निष्क्रिय होकर बंद होने के कगार पर पहुंच गई हैं, उन्हें अब पुनः चालू हालत में लाया जा सकेगा। अमूल की तर्ज पर अन्य क्षेत्रों में भी सहकारी समितियों द्वारा सफलता की कहानियां लिखी जाएंगी ऐसी आशा की जा रही है।

सहकारिता से विकास का मंत्र पूरे भारत में सफलता पूर्वक लागू होने से गरीब किसान और लघु व्यवसायी बड़ी संख्या में सशक्त हो जाएंगे।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

जोश और होश का संगमः जीवन की दिशा, सफलता की परिभाषा

मानव जीवन अपने आप में एक अद्भुत रंगमंच है–जहां हर व्यक्ति एक अभिनेता भी है, निर्देशक भी, और अपनी नियति का लेखक भी। लेकिन इस विशाल और जटिल मंच पर सफल वही होता है, जो अपनी भावनाओं, विचारों, साहस और विवेक का संतुलित उपयोग करना जानता है। यही कारण है कि कहा गया है– 'आगे बढ़ने के लिए जोश चाहिए और जीवन जीने के लिए होश चाहिए।' यह विचार मात्र एक वाक्य नहीं, बल्कि जीवन की गहराई से निकला हुआ ऐसा सत्य है, जिसे समझ लेने के बाद व्यक्ति कभी उलझता नहीं, कभी रुकता नहीं, और कभी हारता नहीं।

यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।सफल, सार्थक और सुखद जीवन की बुनियाद तीन तत्वों से मिलकर बनती है– दिमाग में शांति, होठों पर मुस्कुराहट और हृदय में कोमलता। जिस व्यक्ति के विचार शांत हों, उसके निर्णय स्थिर और स्पष्ट होते हैं। जिसके होठों पर मुस्कुराहट हो, वह हर परिस्थिति से जूझने का आत्मविश्वास रखता है। और जिसके हृदय में कोमलता हो, वह दुनिया के कठोरतम संघर्षों में भी मानवता को बचाए रखता है। लेकिन प्रश्न यह है कि जब हमारे भीतर क्षमता भी है, सामर्थ्य भी है, संसाधन भी हैं, फिर भी हम आगे क्यों नहीं बढ़ पाते? इसका उत्तर स्पष्ट है– हिम्मत की कमी। दुनिया में कोई भी लक्ष्य मनुष्य की हिम्मत से बड़ा नहीं होता। हारा हुआ वह नहीं जो गिर गया, बल्कि वह है जिसने उठने की हिम्मत छोड़ दी। किसी भी ऊँचाई को छूने के लिए उड़ान ज़रूरी है और उड़ान के लिए पंखों से ज़्यादा हौसले की जरूरत होती है। जीवन हमेशा सरल नहीं होता। इसमें ठोकरें भी हैं, बाधाएँ भी हैं, और कुछ हानियाँ भी। परंतु हर हानि को सिर पर लादकर चलना, हर तनाव को दिल में बसाकर जीना, यह समझदारी नहीं। कहा भी गया है–

'जो चोंच देता है, वह चुग्गा भी देता है।'

जिस परमशक्ति ने जीवन दिया है, वही जीवन की आवश्यकताओं का ध्यान भी रखती है। इसलिए खोए हुए पर पछताने और भविष्य की चिंताओं में दिमाग को बोझिल करने के बजाय सहज और मस्त होकर जीना सीखिए। मनुष्य का अवसाद, तनाव और अधीरता इसी कारण बढ़ रही है कि वह होश खोकर केवल जोश में दौड़ रहा है, या केवल होश में रहकर कदम उठाने से डर रहा है। जीवन दोनों के संतुलन से ही बनता है। जोश वह ऊर्जा है, जो व्यक्ति को आगे बढ़ने, नया करने, संघर्ष करने और इतिहास रचने को प्रेरित करता है। होश वह दिशा है, जो बताती है कि कहाँ जाना है, कैसे जाना है और किस रास्ते जाना है। यदि केवल जोश हो और होश न हो, तो व्यक्ति गलत फैसले लेकर जीवन की दिशा खो देता है। और यदि केवल होश हो और जोश न हो, तो व्यक्ति योजनाओं में उलझकर सपनों की उड़ानभरने से चूक जाता है। इसलिए जीवन की गाड़ी को आगे बढ़ाने के लिए संतुलन अनिवार्य है– एक पहिया उत्साह का, दूसरा समझदारी का। हमारी समस्या यह भी है कि हम दूसरों की सफलता देखकर उत्साहित हो जाते हैं और अपनी छोटी-सी असफलता देखकर निराश। सच यह है कि जीवन किसी दौड़ का नाम नहीं, बल्कि एक यात्रा है–जितनी शांत, उतनी सुहावनी; जितनी संयमित, उतनी सफल।

राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस : आजाद हवा का अधिकारः प्रदूषण की कैद से मुक्ति का आह्वान

दिलीप कुमार पाठक

भोपाल गैस त्रासदी भारत के इतिहास की सबसे दुःखद घटनाओं में से एक है, जब कोई भी उस त्रासदी को याद करता है तो रूह कांप उठती है, मरने वालों एवं अपने परिजनों को खोने वाले लोगों के प्रति हमेशा लोगों में संवेदनाओं का प्रसार रहे यही कारण है कि राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस 2 दिसम्बर को मनाया जाता है। इसका प्रमुख उद्देश्य भोपाल गैस त्रासदी जैसी औद्योगिक आपदाओं को कैसे टाला जाए, इस पर प्रकाश डालना है। पर्यावरण प्रदूषण जीवन और स्वास्थ्य की गुणवत्ता पर बुरा असर डालता है। दुनिया भर में प्रदूषण की समस्या उभर कर सामने आ रही है। संयुक्त राष्ट्र ने वायु प्रदूषण को दुनिया का सबसे बड़ा पर्यावरणीय खतरा बताया है। यह दुनिया का चौथा प्रमुख कारण है जिसकी वजह से हर साल 89 लाख लोगों की मौत हो जाती है। प्रदूषण के लिए कई कारण जिम्मेदार हैं जैसे औद्योगिक विस्फोट या रासायनिक विस्फोट उद्योगों से गैसों का रिसाव आदि सहित कई स्त्रोतों से प्रदूषण होता है।

हर साल राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस मनाने के प्रमुख कारकों में से एक औद्योगिक आपदा के प्रबंधन और नियंत्रण के साथ ही पानी, हवा और मि ी के प्रदूषण की रोकथाम करना है। सभी अच्छे और खराब कार्यों के नियमों और कानूनों की केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जाँच की जाती है, जो भारत में प्रदूषण की रोकथाम के लिए सरकारी निकाय है। सभी उद्योगों द्वारा पर्यावरण अनुकूल प्रौद्योगिकियों का सही तरीके से उपयोग किया जा रहा है या नहीं।

भोपाल गैस त्रासदी वर्ष 1984 में 2 और 3 दिसंबर की रात में शहर में स्थित यूनियन कार्बाइड के रासायनिक संयंत्र से जहरीला रसायन, जिसे मिथाइल आइसोसाइनेट के रूप में जाना जाता है, के साथ-साथ अन्य रसायनों के रिसाव के कारण हुई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, 5,00,000 से अधिक लोगों की एमआईसी की जहरीली गैस के रिसाव के कारण मृत्यु हो गयी थी, बाद में, मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ये घोषित किया गया कि गैस त्रासदी से संबंधित लगभग 3,787 लोगों की मृत्यु हुई थी। अगले 72 घंटों में लगभग 8,000-10,000 के आसपास लोगों की मौत हुई, वहीं बाद में गैस त्रासदी से संबंधित बीमारियों के कारण लगभग 25000 लोगों की मौत हो गयी। ये पूरे विश्व में इतिहास की सबसे बड़ी औद्योगिक प्रदूषण आपदा के रूप में जाना गया। जानना जरूरी है कि गैस त्रासदी के कारक क्या हैं जैसे - कई छोटे ड्रमों में भंडारण के स्थान पर बड़े टैंक में मिथाइल आइसोसाइनेट का भंडारण। कम लोगों की जगह में अधिक खतरनाक रसायनों का प्रयोग। संयंत्र द्वारा 1980 के दशक में उत्पादन के रोके जाने के बाद गैस का खराब संरक्षण। पाइपलाइनों में खराब सामग्री की उपस्थिति। विभिन्न सुरक्षा प्रणालियों के द्वारा सही से काम न करना। ऑपरेशन के लिए संयंत्रों के स्थान पर हाथ से काम करने पर निर्भरता, विशेषज्ञ ऑपरेटरों की कमी के साथ ही आपदा प्रबंधन की योजना की कमी।

सरकार द्वारा पूरी दुनिया में प्रदूषण को गंभीरता से नियंत्रित करने और रोकने के लिए बहुत से कानूनों की घोषणा की गई, परंतु ये काफी नहीं है '

प्राकृतिक संसाधन जैसे जल, वायु, भूमि या वन विभिन्न प्रकार के प्रदूषण द्वारा तेजी से प्रभावित हो रहे हैं, जिन्हें सही तरीके से नियमों और विनियमों को लागू करके तुरंत सुरक्षित करना बहुत जरूरी है।

जैसे - शहरी अपशिष्ट जल उपचार और पुनः उपयोग परियोजना। ठोस अपशिष्ट और उसके प्रबंधन का वैज्ञानिक उपचार। अपशिष्ट के उत्पादन को कम करना। सीवेज उपचार सुविधा। कचरे का पुनः उपयोग और अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन। जैव-चिकित्सा अपशिष्ट उपचार सुविधा।

इलेक्ट्रॉनिक कचरे की उपचार सुविधा, जल आपूर्ति परियोजना। संसाधन रिकवरी परियोजना। ऊर्जा की बचत परियोजना। शहरी क्षेत्रों में खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन।

स्वच्छ विकास तंत्र पर परियोजनाएं, प्रदूषण रोकने के लिये नीति, नियमों के उचित कार्यान्वयन और प्रदूषण के सभी निवारक उपायों के साथ ही राज्य सरकार द्वारा कई अन्य प्रयास किये गए हैं। उद्योगों को सबसे पहले प्रदूषण को कम करने के लिए प्राधिकरण द्वारा लागू किये गये सभी नियमों और विनियमों का पालन करना होगा

भोपाल गैस त्रासदी को 40 साल बीत चुके हैं लेकिन बचे हुए लोग अभी भी प्रजनन संबंधी स्वास्थ्य समस्याओं और तंत्रिका तंत्र की बीमारी का सामना कर रहे हैं। यह दिन हमें प्रदूषण के खिलाफ सख्त कदम उठाने की याद दिलाता है। यह भोपाल गैस त्रासदी की याद दिलाता है और प्रदूषण के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। यह दिन पूरे देश में लोगों को विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के बारे में शिक्षित करके जागरूकता बढ़ाने और उद्योगों और कारखानों के लिए सुरक्षा उपायों के लिए सख्त नियमों और नियमों की जरूरतों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है।

(लेखक पत्रकार हैं)

नशे का बढ़ता प्रचलन एवं घातक कारोबार - एक गंभीर अलार्म

ललित गर्ग

भारत में नशीले पदार्थों का बढ़ता प्रचलन एवं बढ़ता घातक कारोबार आज एक भयावह राष्ट्रीय संकट बन चुका है। आये दिन विभिन्न राज्यों में नशीले पदार्थों की बड़ी-बड़ी खेप बरामद होना इस संकट की भयावह तस्वीर उकेरता है। यह समस्या किसी एक राज्य या किसी सीमित क्षेत्र की नहीं रही, बल्कि हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित पूरे देश में यह अपने विकराल रूप में फैल चुकी है। विशेष रूप से किशोर और युवा पीढ़ी जिस तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है, वह एक खतरनाक भविष्य की चेतावनी है। नशा आज केवल व्यक्तिगत बीमारी नहीं, बल्कि सामाजिक विनाश की प्रस्तावना बन चुका है। अंधेरी गलियों में भटकते युवा, परिवारों का टूटता संतुलन, अपराधों में वृद्धि और जीवन मूल्यों का क्षरण-ये सब नशे की महामारी के दुष्परिणाम हैं। अब वयस्क ही नहीं, किशोर भी नशे की चपेट में आ रहे हैं। फिर वे अपने नशे के लिए पैसा जुटाने के लिये अपराध की गलियों गुम होते जा रहे है, तरह-तरह के अपराध कर रहे हैं। हाल ही के कुछ गंभीर अपराधों का खुलासा होने पर किशोरों ने स्वीकार किया कि वे नशे हेतु पैसा जुटाने के लिए अपराध करने निकले थे। कमोबेश, ऐसा ही संकट नकली दवाइयों की आपूर्ति का भी है। पिछले दिनों देश के कई राज्यों में घातक कफ सिरप पीने से कई बच्चे अपनी जान गंवा बैठे। इस आसन्न संकट को महसूस करते हुए नकली दवाइयों और मादक पदार्थों पर अंकुश लगाने के लिए सात राज्यों के ड्रग्स कंट्रोलरों, पुलिस और सीआईडी अधिकारियों का एक महत्वपूर्ण सम्मेलन चंडीगढ़ में आयोजित किया गया, जिसका मकसद इन अधिकारियों को एक मंच पर लाकर कार्रवाई को अधिक कारगर बनाना था। यह स्वागत योग्य है कि देश में पहली बार सात राज्यों ने इस संकट को महसूस करते हुए इस दिशा में साझी पहल की। नि ित ही यह सम्मेलन इस घातक एवं गंभीर होती समस्या के समाधान में रोशनी बनेगा।

नशीले पदार्थों व नकली दवाइयों का कारोबार मात्र एक राज्य की समस्या नहीं है, बल्कि इससे कई राष्ट्रीय मुद्दे भी जुड़े हैं। पंजाब व देश के समुद्री सीमा से जुड़े राज्यों में नशीले पदार्थों की जो बड़ी खेपें बरामद हुई हैं, उसने पूरे देश की चिंता बढ़ाई है। सवाल यह भी उठा है कि यदि नशीले पदार्थों की इतनी बड़ी मात्रा बरामद हुई है तो चोरी-छिपे कितनी बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ देश में पहुंच रहा होगा। पंजाब के सीमावर्ती जिलों में सीमा पार से ड्रोन के जरिये लगातार नशीले पदार्थ व हथियार भेजने के मामले प्रकाश में आए हैं। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े बताते हैं कि ड्रग व्यापार अब किसी सीमित भौगोलिक दायरे तक सीमित नहीं रहा। पंजाब, जिसकी आबादी देश की कुल आबादी का मात्र ढाई प्रतिशत है, वहां से देश में बरामद होने वाली हेरोइन का लगभग आधा हिस्सा पकड़ा गया है। यह अकेला तथ्य बताने के लिए पर्याप्त है कि नशीले पदार्थों का नेटवर्क कितना गहरा, विस्तृत और संगठित हो चुका है। हरियाणा की सीमावर्ती जिलों में पिछले पाँच वर्षों के दौरान राज्य के कुल ड्रग मामलों का लगभग नब्बे प्रतिशत भाग सामने आया है, जो स्पष्ट संकेत देता है कि तस्करी का रास्ता राज्यों की सीमाओं से गुजर कर पूरे समाज में फैलता जा रहा है। इसी प्रकार राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण बताते हैं कि नशे की आदत अब केवल युवाओं तक सीमित नहीं, बल्कि लाखों बच्चे और किशोर और विशेषतः महिलाएं-युवतियां विभिन्न नशीली वस्तुओं के संपर्क में आ चुकी हैं। यह स्थिति सिर्फ चिंता का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की अगली पीढ़ी के भविष्य को लेकर गंभीर चेतावनी है। नशे की गिरफ्त में फंसकर बच्चे और युवा मानसिक, शारीरिक, सामाजिक और शैक्षणिक जीवन में बुरी तरह पिछड़ रहे हैं। परिवार टूट रहे हैं, आर्थिक स्थिति बिगड़ रही है, और अपराधों का ग्राफ निरंतर बढ़ता जा रहा है। नशे की वजह से चोरी, लूट, हिंसा, हत्या और यौन अपराध तक बढ़ते जा रहे हैं। समस्या का यह दूसरा पहलू भी उतना ही भयावह है कि नशे का व्यापार अब सामान्य चोरी-छिपे किए जाने वाला धंधा नहीं रहा, बल्कि विशाल और संगठित तस्करी-तंत्र में बदल चुका है। ड्रोन के माध्यम से ड्रग तस्करी, अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क, नकली दवाओं का उत्पादन, कफ सिरप व अन्य औषधियों के दुरुपयोग का व्यापक कारोबार-ये सभी संकेत हैं कि नशा भारत के सामाजिक ढांचे को दीमक की तरह खोखला कर रहा है। ड्रग माफिया, अपराधी गिरोह, भ्रष्ट तंत्र एवं पडोसी देश मिलकर एक ऐसी समानांतर व्यवस्था चला रहे हैं, जो कानून, नैतिकता और मानवीय जीवन के लिए बेहद खतरनाक है। चंडीगढ़ में आयोजित महत्वपूर्ण सम्मेलन में कई ऐसे तथ्य सामने आए जिन्होंने सभी को हिला दिया। यह स्पष्ट रूप से महसूस किया गया कि अब नशे के खिलाफ लड़ाई किसी एक राज्य की जिम्मेदारी नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र की प्राथमिकता है। राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली, महाराष्ट्र सहित कई राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी इस बात पर सहमत दिखे कि यदि अब भी सख्त और संगठित कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में हालात और भयावह हो सकते हैं। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं कि नशे का यह संकट भारत की सामाजिक संरचना, युवाशक्ति और राष्ट्रीय प्रगति को गहरी चोट पहुँचा रहा है।

इस अनियंत्रित होते भयावह संकट को रोकने के लिए सरकार, पुलिस, न्याय तंत्र, समाज और परिवार-सबको मिलकर सामूहिक प्रयास करने होंगे। सिर्फ कानून बनाकर और कभी-कभार छापामारी करके इस समस्या का समाधान संभव नहीं। सबसे पहले कानूनों को मजबूत करने और उनके कठोर क्रियान्वयन की आवश्यकता है। ड्रग तस्करी, नकली दवाइयों का निर्माण और अवैध वितरण के खिलाफ ऐसी दंडात्मक

विधायक पीतराम काला बने राजस्थान अनुसूचित जाति कांग्रेस प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष

संगठन में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी, शिक्षा क्षेत्र से राजनीति तक उल्लेखनीय योगदान

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पिलानी/जयपुर।

झुंझुनू जिले के पिलानी विधानसभा क्षेत्र के विधायक पीतराम काला को कांग्रेस संगठन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेंद्र पाल गौतम ने काला को राजस्थान प्रदेश अनुसूचित जाति कांग्रेस प्रकोष्ठ का उपाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से पिलानी क्षेत्र सहित पूरे प्रदेश में कांग्रेस कार्यकर्ताओं और अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों में उत्साह और गर्व की लहर है।विधायक पीतराम काला को यह दायित्व उनके सामाजिक योगदान, संगठनात्मक अनुभव और अनुसूचित जाति वर्ग के हितों के प्रति उनकी सक्रिय भूमिका को देखते हुए दिया गया है। पार्टी नेतृत्व का यह निर्णय प्रदेश संगठन में अनुसूचित जाति वर्ग के प्रतिनिधित्व को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

शिक्षा क्षेत्र से राजनीति तक–सेवा, संघर्ष और उपलब्धियों की अनूठी यात्रा

विधायक पीतराम काला का सार्वजनिक जीवन केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे शिक्षा क्षेत्र में भी उल्लेखनीय सेवाएँ

दे चुके हैं। काला ने अपने करियर की शुरुआत एक साधारण शिक्षक के रूप में की थी। कड़ी मेहनत, समर्पण और प्रशासनिक दक्षता के बल पर वे चरणबद्ध रूप से आगे बढ़ते हुए शिक्षा विभाग में उपनिदेशक (ष्ठद्गश्चह्वह्ल4 ष्ठद्बह्मद्गष्ह्लशह्म) जैसे प्रतिष्ठित पद तक पहुँचे। अपनी सेवा अवधि में–शिक्षा की गुणवत्ता सुधार, विद्यालयीन प्रबंधन, शैक्षिक नवाचार, शिक्षक-हितों की रक्षा, और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उन्होंने महत्वपूर्ण योगदान दिया। वे विभिन्न शिक्षक संगठनों में भी पदाधिकारी रहे और शिक्षकों की समस्याओं को उचित मंचों पर प्रभावी ढंग से उठाने के लिए जाने जाते हैं। उनके शिक्षा क्षेत्र के अनुभवों ने ही उन्हें जनसमस्याओं को समझने की संवेदनशीलता प्रदान की, जो आज उनके राजनीतिक जीवन में भी स्पष्ट झलकती है।

पिलानी सहित पूरे प्रदेश में खुशी का माहौल

उनकी नियुक्ति पर पिलानी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, शिक्षाविदों और कांग्रेस विचारधारा से जुड़े लोगों ने हार्दिक खुशी व्यक्त की है। सभी का कहना है कि काला की सादगी, साफ-सुथरी छवि, प्रशासनिक अनुभव और जनसेवा के प्रति समर्पण से संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

विधायक काला -सेवा, अनुभव और संगठन का संगम

विधायक पीतराम काला का सफर–साधारण शिक्षक से लेकर शिक्षा विभाग के उपनिदेशक,और उपनिदेशक से पिलानी विधानसभा के लोकप्रिय विधायक,और अब अनुसूचित जाति कांग्रेस प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष– यह दर्शाता है कि प्रतिबद्धता, ईमानदारी और समाजहित की भावना किसी भी व्यक्ति को शिखर तक ले जा सकती है। उनकी नियुक्ति से कांग्रेस संगठन में नई ऊर्जा आने की उम्मीद है और अनुसूचित जाति वर्ग के हितों की लड़ाई और अधिक प्रभावी तरीके से लड़ी जाएगी।

अनुसूचित जाति वर्ग के हितों की सशक्त आवाज

राजनीति में सक्रिय होने के बाद से ही पीतराम काला प्रदेश में अनुसूचित जाति वर्ग के अधिकारों, सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और समान अवसरों की लड़ाई को लेकर मुखर रहे हैं। वे सदैव इस वर्ग के युवाओं को शिक्षा, रोजगार और सामाजिक उन्नति के लिए प्रेरित करते रहे हैं। कांग्रेस एससी प्रकोष्ठ के उपाध्यक्ष पद पर उनकी नियुक्ति से उम्मीद की जा रही है कि–अनुसूचित जाति वर्ग से जुड़े मुद्दों को अधिक मजबूती से उठाया जाएगा, पार्टी संगठन में इस वर्ग की भागीदारी बढ़ेगी, और प्रदेश स्तर पर सामाजिक न्याय की आवाज और प्रभावी होगी।

संगीतमय सुंदरकांड पाठ का हुआ आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

श्री रघुनाथ अस्पताल परिसर बालाजी मंदिर में रात्रि संगीतमय सुंदर कांड पाठ का आयोजन हुआ। बड़े मंदिर के महंत अशोक दास महाराज, बीदावत मंदिर के महंत दिलीप दास महाराज, श्रद्धानाथ आश्रम के युवा संत प्रकाश नाथ महाराज , श्री शीलजति आश्रम भोजासर बडा के पीठाधीश्वर महंत शिवराज जति महाराज आश्रम के सानिध्य में आयोजित संगीतमय सुंदरकांड पाठ लोक कलाकार सवाई सिंह, मनोज पाण्डेय,विनय तमोली ने सुंदरकांड का मंगल पाठ किया। इस अवसर पर नगर पालिका उपाध्यक्ष बनवारी पाण्डेय, भाजपा नेता जयप्रकाश सरावगी, पालडीवाल आईटीआई के प्राचार्य राकेश मालवीय, श्री रघुनाथ बालिका स्कूल की प्राचार्य श्रीमती गायत्री पोरवाल, तोदी महाविद्यालय के सचिव आशकारण शर्मा, समाजसेवी ललित भूत, अनिल मिश्रा, महेश चिराणियां, एडवोकेट प्रदीप पारीक, एडवोकेट नटवरलाल जोशी,वरिष्ठ शिक्षक कमल गोयनका, बगड़िया स्कूल के सचिव पवन गोयनका, योगगुरु विमल पारीक, व्याख्याता अश्विनी पारीक सहित प्रबुद्ध जन मौजूद थे। इस अवसर पर सवामणी प्रसाद का आयोजन किया। अस्पताल के महाप्रबंधक रघुवीर पारीक ने आगंतुकों का स्वागत किया।

ग्राम पंचायत झझ्झू कोलायत पंचायत समिति में रखने की मांग, ग्रामीणों का विरोध तेज

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कोलायत क्षेत्र की ग्राम पंचायत झझ्झू को हाल ही में हुए प्रशासनिक परिसीमन के दौरान दूसरी पंचायत समिति में शामिल करने के निर्णय के खिलाफ गांव के लोगों का विरोध तेज हो गया है। सोमवार को झझ्झू सरपंच घमू राम के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक ग्रामीण बीकानेर कलेक्ट्रेट पहुँचे और जिला कलेक्टर तथा अतिरिक्त जिला कलक्टर (एडीजी) को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने माँग की है कि झझ्झू को किसी अन्य पंचायत समिति में शामिल न किया जाए। उनके विरोध के मुख्य रूप से भौगोलिक और विकास की स्थिति के कारण ग्रामीणों ने कहा कि झझ्झू को किसी अन्य पंचायत समिति में शामिल करना भौगोलिक स्थिति से उचित नहीं है, और इससे विकास की गतिविधियाँ प्रभावित होंगी।

राजनीतिक उद्देश्य का आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि यह फैसला राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित है, जिसका सीधा नुकसान झझ्झू की जनता को उठाना पड़ेगा।

दूरी की समस्या: ग्रामीणों ने दूरी को प्राथमिकता

देते हुए तर्क दिया कि झझ्झू से कोलायत की दूरी मात्र 10 किलोमीटर है। यदि उन्हें दूसरी पंचायत समिति में जोड़ा जाता है, तो उन्हें प्रशासनिक कार्यों, उपखंड अधिकारी कार्यालय, विद्युत विभाग, जलदाय विभाग, यूआईटी/पीड़ी और पुलिस संबंधी कार्यों के लिए ज्यादा दूर जाना पड़ेगा, जिससे समय और धन दोनों का नुकसान होगा।

समिति गठन पर सवाल: सरपंच प्रशासक घमू राम ने नई ग्राम पंचायत की पंचायत समिति के गठन की प्रक्रिया पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एक नई पंचायत समिति के लिए 15 ग्राम पंचायतों की आवश्यकता होती है, जबकि बिना किसी औचित्य के 18 ग्राम पंचायतें जोड़ दी गई हैं। इससे झझ्झू सहित कई गाँवों को अनावश्यक रूप से झझ्झू से जोड़ा गया है।

प्रदर्शन और चेतावनी

ज्ञापन देने और प्रदर्शन में झझ्झू प्रशासक घमू राम नायक, युवा नेता भंवर सिंह बाला, मोहन लाल कांटिया, भंवर लाल गोदारा, प्रताप राम कांटिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। वार्ड पंच प्रतिनिधि और सदस्य: ईश्वर राम नायक, बिहारीलाल पुरोहित, चत्राराम कांटिया, मांगीलाल जीनगर, दुली चंद मेघवाल। अन्य प्रमुख ग्रामीण: एडवोकेट किशन गोपाल मेघावाल, महावीर सेठिया, फ़रीद ठेकेदार, हसन ठेकेदार, शिवचंद भार्गव, महावीर जीनगर, शिवलाल जीनगर, गोपीराम कांटिया, ओमप्रकाश जीनगर, आदर्श युवा संगठन के अध्यक्ष रुपेश जीनगर, कालू खां कसाई, गणेश भार्गव आदि मौजूद रहे। उन्होंने कलेक्ट्रेट ऑफिस के सामने प्रदर्शन किया और नारेबाजी की, जिसमें उनकी मुख्य मांग थी कि 'हमें पंचायत समिति श्री कोलायत में ही रखा जाए, जिससे हमारे गाँव का विकास हो सके।' ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि प्रशासन जल्द यह निर्णय वापस नहीं लेता है, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

राष्ट्रीय जंबूरी में राजस्थान ने मारी बाजी, सूरजगढ़ मंडी के स्काउट्स का हुआ भव्य स्वागत

लखनऊ से लौटे दल का विद्यालय में सम्मान; जंबूरी में राजस्थान को मिला पहला स्थान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में 23 नवंबर से 29 नवंबर तक आयोजित 19वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जंबूरी में राजस्थान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पहला स्थान हासिल किया। इस गौरवपूर्ण उपलब्धि में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सूरजगढ़ मंडी के चार स्काउट्स सुरेंद्र, विजय, आकाश और लक्की का योगदान सराहनीय रहा। राष्ट्रीय स्तर की

प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के बाद इन छात्रों के विद्यालय लौटने पर उनका भव्य स्वागत किया गया। विद्यालय में आयोजित स्वागत समारोह में भामाशाह गीगराज पथरवावाले, प्रधानाचार्य अशोक कुमार और समस्त विद्यालय स्टाफ ने स्काउट्स को बधाई दी। इस अवसर पर स्काउट प्रभारी महेश कुमार सैनी, उप-प्राचार्य अरविंद कुमार यादव, व्याख्याता पूनम चौधरी, वरिष्ठ अध्यापक वेदप्रकाश, सुरेंद्र सिंह, अध्यापक महताब सिंह सिरोवा, मंजू, स्नेहलता, निर्मला, अनिल कुमार पूनिया, और संजय शर्मा सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। विद्यालय परिवार ने छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की और उनके राष्ट्रीय स्तर के प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया।

गर्भवती व धात्री महिलाओं में एनीमिया प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग चलाएगा पिंक पखवाड़ा

1 से 15 दिसंबर तक मिशन मोड में लगाए जाएंगे फेरिक कार्बॉक्सी माल्टोज इंजेक्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बुहाना।

गर्भवती तथा धात्री महिलाओं में एनीमिया की समस्या को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य विभाग द्वारा 1 से 15 दिसंबर तक विशेष पिंक पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान एनीमिक महिलाओं को फेरिक कार्बॉक्सी माल्टोज इंजेक्शन लगाकर उनके हीमोग्लोबिन स्तर को तेजी से बढ़ाने का अभियान चलाया जाएगा। बीसीएमओ डॉ. जयबीर सिंह ने बताया कि पखवाड़े को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए सभी तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। एफसीएम इंजेक्शन की डोज गंजोनी सूत्र के अनुसार निर्धारित की जाएगी, जिसमें गर्भवती को एक सप्ताह में 1000 मिलीग्राम

से अधिक तथा पूरे गर्भावस्था काल में 1500 मिलीग्राम से अधिक डोज नहीं दी जाएगी। बीसीएमओ डॉ. भागसारा ने बताया कि आयरन की गोलियों यानी आईएफए से परिणाम धीरे आते हैं और कई महिलाओं को मतली, कब्ज, पेट खराब जैसी समस्याएँ होने के कारण उनका लाभ सीमित रह जाता है। इसके विपरीत फेरिक कार्बॉक्सी माल्टोज इंजेक्शन डेढ़ से दो माह में तीन से चार ग्राम हीमोग्लोबिन बढ़ाने में अत्यंत प्रभावी है। पिंक पखवाड़े में मध्यम से गंभीर एनीमिया अर्थात 5 से 9 ग्राम हीमोग्लोबिन वाली गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को प्राथमिकता से एफसीएम इंजेक्शन लगाया जाएगा। आशा सहयोगिनी और एएनएम ऐसी महिलाओं की सूची तैयार कर उन्हें स्वास्थ्य संस्थानों पर लाएँगी, जहाँ चिकित्सक की देखरेख में इंजेक्शन लगाया जाएगा। डॉ. जयवीर सिंह भागसारा ने बताया कि एफसीएम इंजेक्शन इंट्रावेनस ड्रिप द्वारा दिया जाता है और इसे अस्पताल में भर्ती किए बिना डे-केयर में मात्र 15 मिनट में लगाया जा सकता है। एक बार की डोज से डेढ़ से दो महीने में महिलाओं का हीमोग्लोबिन तीन से चार ग्राम तक बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि पिंक पखवाड़ा अभियान को पूर्ण क्षमता के साथ मनाने तथा अधिक से अधिक महिलाओं को इसका लाभ दिलाने के लिए सभी स्टाफ को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

खेतड़ी में वन्यजीवों की बढ़ती मौजूदगी से फिर जगी पर्यटन की उम्मीद

समदेड़ा तालाब पर मादा पैंथर दो शावकों के साथ CCTV में कैद

भीम प्रज्ञा न्यूज़ खेतड़ी।

पर्यटक नगरी खेतड़ी एक बार फिर वन्यजीव प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र बनने की ओर है। सर्द रात में मादा पैंथर अपने दो नन्हे शावकों के साथ घूमती हुई समदेड़ा तालाब क्षेत्र में CCTV कैमरे में कैद हुई है। यह दृश्य वन विभाग की निगरानी कैमरों में साफ दिखाई दिया, जिसके बाद क्षेत्र में वन्यजीवों की संख्या बढ़ने की पुष्टि भी मानी जा रही हैजानकारी के अनुसार पिछले कुछ दिनों से समदेड़ा तालाब, बागोर, पानोता धाम और आसपास के जंगलों में पैंथर की मूवमेंट की सुगबुगाहट थी। अब पैंथर के कुनबे में नए शावकों का जुड़ना इस बात की ठोस मोहर है कि खेतड़ी वन क्षेत्र में पैंथर परिवार लगातार बढ़ रहा है। वन क्षेत्र के रेंजर पवन शेखावत ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे एक माह के विशेष पैंथर गणना अभियान के तहत खेतड़ी वन्य अभयारण्य में 1 दर्जन से अधिक डिजिटल ट्रैप कैमरे लगाए गए हैं। इन्हीं कैमरों में नई तस्वीरें रिकॉर्ड हुई हैं। इससे पहले वन कर्मियों ने विभिन्न

स्थानों पर फुट मार्क (पगमार्क) सर्वे कर वन्यजीवों की गतिविधियों की पुष्टि की थी।

स्थानीय विधायक इंजीनियर धर्मपाल गुर्जर निरंतर खेतड़ी वन्य अभयारण्य को डेवलप और पर्यटन की दृष्टि से आकर्षक बनाने का प्रयास कर रहे हैं। जंगल में जल स्रोत, प्रहरी मार्ग, कैमरा निगरानी और वन्यजीव संरक्षा के नवाचार पर लगातार काम हो रहा है। वन विभाग के अनुसार खेतड़ी श्रेणी के वन क्षेत्र में पैंथर की वास्तविक संख्या एक दर्जन से भी अधिक मानी जा रही है। इन गतिविधियों को देखते हुए अनुमान लगाया जा रहा है कि नव वर्ष 2026 में पर्यटकों की आवक में उल्लेखनीय बढ़ोतरी होगी। पैंथर के प्राकृतिक दीदार के शौकीन पर्यटकों के लिए खेतड़ी अब एक महत्वपूर्ण गंतव्य के रूप में उभर रहा है। वन्य जीवों के सुरक्षित रहवास, संरक्षण और निगरानी के लिए वनकर्मी लगातार नवाचार कर रहे हैं, जिससे आने वाले समय में खेतड़ी का यह क्षेत्र राजस्थान के प्रमुख वन्यजीव पर्यटन स्थलों की सूची में शामिल हो सकता है।

सिंघाना में कृष्णा मैरिज गार्डन मालिक पर हमला: सर्व समाज ने पुलिस को सौंपा ज्ञापन, 3 दिन में कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

दिनांक 30 नवंबर 2025 की रात लगभग 2 बजे कृष्णा मैरिज गार्डन, सिंघाना के मालिक महेंद्र सैनी पर बदमाशों ने जानलेवा हमला कर लाठी, सरियों से मारपीट की। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। सोमवार को सर्व समाज के लोगों ने सिंघाना थाना पहुंचकर थानाधिकारी सुगन सिंह से मुलाकात की तथा आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ सखत कार्रवाई की मांग रखी। लोगों ने चेतावनी दी कि

तीन दिन में आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर क्षेत्र के लोग विरोध प्रदर्शन करेंगे। मुलाकात के दौरान कई सामाजिक प्रतिनिधि और गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिनमें शामिल है। ढाणा सरपंच विकास सैनी, डी.पी. सैनी, प्रधान सरला देवी, अशोक सैनी, प्रभु हलवाई, राहुल, मुकेश सैनी, रामोतार हलवाई, छाजूराम, सुरेश ठेकेदार, प्रहलाद, कुलड़ाराम पंच, सुरेश बागड़ी, अनिल सैनी, प्रकाश, शेरसिंह, अनिल, हरिसिंह, ज्ञानी सिंह, प्रताप, बबलू, लाला ठेकेदार, राकेश मोड़ा, मनीष, डॉ. सुभाष सैनी, मदन लाल, मंगेजाराम, शिवकरण, मोहन, संजू सहित कई अन्य लोग। सर्व समाज ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते आपराधिक मामलों पर पुलिस को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ताकि लोगों में सुरक्षा की भावना बनी रहें।

साहित्यकार डॉ वीरेंद्र भाटी मंगल की राजस्थानी कविता की पुस्तक ओळखांण का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

संत लिखमीदासजी महाराज स्मारक विकास संस्थान के तत्वावधान में माली (सैनी) समाज का राज्य स्तरीय प्रतिभा सम्मान समारोह नागौर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर डॉ. वीरेंद्र मंगल भाटी लाडनूं द्वारा रचित राजस्थानी कविता संग्रह 'ओळखांण' का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में राज्य सभा सांसद राजेंद्र गहलोत, प्रो. लाखाराम भाटी, प्रो. पवन सैनी, माली समाज डीडवाना अध्यक्ष रामगोपाल तूनवाल, प्रो. तगाराम सैनी, समाजसेवी कृपाराम गहलोत, कमल भाटी सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। समारोह में समाज की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। मंचासीन अतिथियों ने 'ओळखांण' पुस्तक का लोकार्पण करते हुए कहा कि यह कृति राजस्थानी भाषा की जीवंतता, लोकसंस्कार और भावधारा को नई ऊँचाई देने वाली है। डॉ भाटी की अब तक विभिन्न विषयों पर 15 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है।

डिडवाना से बलौदा आई बारात ने दहेज के पाँच लाख रुपये किए वापस

बिना दहेज विवाह बन गया समाज के लिए मिसाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सूरजगढ़।

गांव बलौदा में रविवार को संपन्न हुआ एक सादगीपूर्ण विवाह पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गया। स्वर्गीय क्षी पाल सिंह की पुत्री हेमू कंवर के विवाह में डिडवाना जिले के गांव रणवा से दूल्हा कर्मवीर सिंह, पुत्र विजेन्द्र सिंह राठौड़, की बारात हर्षोल्लास के साथ पहुंची। विवाह समारोह की सबसे अनुकरणीय बात यह रही कि दूल्हा पक्ष ने

दहेज के रूप में दिए गए पाँच लाख रुपये वापस कर दिए और स्पष्ट किया कि यह विवाह पूरी तरह बिना दहेज किया जा रहा है। दोनों परिवारों ने मिलकर समाज में फैली दहेज प्रथा के खिलाफ एक मजबूत संदेश देते हुए सामाजिक जागरूकता की मिसाल पेश की।ग्रामीणों ने इस पहल की खुले दिल से प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसा सामाजिक परिवर्तनकारी कदम नई पीढ़ी को दहेज मुक्त समाज बनाने की प्रेरणा देता है। समाज के ग्रामीणों ने इस सराहनीय पहल पर खुशी जताई। इस अवसर पर बलौदा के पूर्व सरपंच घनश्याम सिंह शेखावत, उमेद सिंह, सुरेश सिंह, बिशन सिंह और इन्द्र सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने इस पहल के लिए दोनों परिवारों का गहरा आभार व्यक्त किया। बिना किसी दिखावे, सादगी व संस्कारों के साथ संपन्न यह विवाह आज पूरे क्षेत्र में अनोखी मिसाल बन गया है।

विश्व भारती स्कूल में विश्व एड्स दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

विश्व भारती स्कूल, सिंघाना में विश्व एड्स दिवस के अवसर पर एक प्रभावी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत

विद्यार्थियों द्वारा मानव शृंखला बनाकर की गई, जिसके माध्यम से एड्स जैसी गंभीर बीमारी के प्रति सचेत रहने का संदेश दिया गया। इसके साथ ही पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें छात्रों ने एड्स के कारण, लक्षण, संक्रमण के मार्ग और सावधानियों को दर्शाते हुए जानकारीपूर्ण पोस्टर प्रस्तुत किए। प्रातः कालीन सभा में विज्ञान शिक्षिका पूजा यादव ने विद्यार्थियों को एड्स से संबंधित वैज्ञानिक तथ्यों, इसके फैलने और बचाव के तरीकों के बारे में सरल एवं उपयोगी जानकारी प्रदान की। विद्यालय के निदेशक कृष्ण यादव ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शहादत दिवस पर टोहाना के बजरंग मॉडल स्कूल के बच्चों ने गुरुद्वारा धमतान साहिब में जताई श्रद्धा

नतमस्तक हुए नन्हे कदम, सिर नवाया शहीद-ए-धरम श्री गुरु तेग बहादुर जी को

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । शहीद-ए-धरम श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहादत दिवस पर बजरंग मॉडल स्कूल टोहाना के छात्रों ने ऐतिहासिक गुरुद्वारा धमतान साहिब में पहुंचकर नमन किया। नन्हे-नन्हे बच्चों ने अरदास कर मानवता, भाईचारा और सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सत्संग में बच्चों ने गुरु साहिब की महान कुर्बानी, त्याग और धर्म की रक्षा हेतु दिए गए अप्रतिम योगदान के बारे में जाना। कार्यक्रम के दौरान गुरु घर में कीर्तन की मधुर धुनों में बच्चे सिर नवाते नजर आए। बच्चों

को गुरुद्वारा परिसर, इतिहास और गुरु साहिब के जीवन-संदेश के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। शिक्षकों ने बच्चों में संस्कार, विनम्रता और इंसानियत के मूल्य रोपित करने का संदेश दिया। श्री गुरु तेग बहादुर जी की शहादत पूरी मानवता के लिए प्रेरणा है। उनके द्वारा धर्म और सत्य की रक्षा हेतु किए गए बलिदान से बच्चे सीखें कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग ही सर्वोच्च है। इस पावन स्थान पर बच्चों को लाना उनका चरित्र निर्माण और आध्यात्मिक जागरूकता का सबसे बड़ा माध्यम है। बच्चों में छोटे से ही संस्कार और इतिहास के प्रति समझ विकसित करना हमारा लक्ष्य है। गुरुद्वारा धमतान साहिब में नतमस्तक होकर बच्चों ने गुरु साहिब की शिक्षाओं को हृदय में आत्मसात किया। हमारा प्रयास है कि बच्चे ज्ञान के साथ-साथ मानवता और सेवा भावना जैसे गुण ग्रहण कर समाज के लिए अनुकरणीय बनें। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ रजनीश कौर, वीना मुखीजा व ज्योति वर्मा और बच्चों ने समूह में विचार-सत्र, कीर्तन श्रवण एवं प्रार्थना की। अंत में बच्चों को प्रसाद व आशीर्वाद प्रदान किया गया। विद्यालय प्रबंधन ने आगे भी ऐसे आध्यात्मिक-शैक्षिक दौरों को जारी रखने की बात कहीं।

कांवट में शाकंभरी माता के मंदिर में भी श्रद्धालुओं को की माता की चुनरी वितरित

प्रतिवर्ष सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु चुनरी यात्रा में लेते हैं भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.कांवटद्य

सुमेर मीणा । जहां शेखावाटी में माता की चुनरी यात्रा को लेकर तैयारियां जोर-शोर से चल रही है वहीं सोमवार को खंडेला तहसील के कावट में भी मूलचंद सैनी के नेतृत्व में माता शाकंभरी के मंदिर में श्रद्धालुओं को चुनरी वितरित की गई द्य कांवट शाकंभरी माता के मंदिर में छोटेलाल सैनी के सानिध्य में श्रद्धालुओं को माता की चुनरी वितरित की गई द्य कावट से मां शाकंभरी के भक्त छोटेलाल सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिवर्ष सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु उदयपुरवाटी मैं आयोजित होने वाली माता की चुनरी यात्रा में भाग लेते हैं सोमवार

को शाकंभरी चुनरी यात्रा के उदयपुरवाटी संयोजक मूलचंद सैनी के नेतृत्व में कावट में मां शाकंभरी के मंदिर एवं कांवट सरपंच मीना सैनी के घर माता की चुनरी वितरित की ।

मेघवाल नायक मुक्ति धाम दुदवा में टीन सेट और चबूतरे का उद्घाटन सम्पन्न

ग्राम के गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने विकास कार्यों में सहयोग का दिया आश्वासन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

सोमवार को मेघवाल नायक मुक्ति धाम, दुदवा में नवनिर्मित टीन सेट और चबूतरे का उद्घाटन समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ग्राम के गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम में सत्यवीर फौजी, डॉ. ईश्वर सहलान, नेकीराम सहलान, ताराचंद टेलर, राजेंद्र प्रसाद मिस्त्री, विक्रम दूबट, कमल सहलान, सुरेश नायक, प्रवीण कुमार, सुरेंद्र माहीच, महासिंह, महेंद्र फौजी, नरेश टेलर, बद्री प्रसाद माहीच, सुरेश घोघलिया, गोरू नायक,

मुखराम मिस्त्री, अनिल, जागेराम, रवि नायक, विष्णु, सिकन्दर, राजू घोघलिया, सतपाल नायक सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने शिरकत की। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने मुक्ति धाम के निर्माण और विकास के लिए अपने बहुमूल्य विचार रखे और भविष्य में भी हरसंभव सहयोग करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम के दौरान, महेंद्र फौजी ने तुरंत प्रभाव से 200 फुट पानी की नलकी की व्यवस्था की, ताकि मुक्ति धाम के अन्य निर्माण कार्य बिना रुकावट सुचारू रूप से आगे बढ़ सकें। समाज के सामूहिक प्रयासों से हुआ यह उद्घाटन मुक्ति धाम के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

श्री सांवरिया सेठ धाम पर हुआ तृतीय पाटोत्सव का आयोजन

भजन संध्या में गायक्करों ने दी भजनों की प्रस्तुति

सैकड़ो महिलाओं ने निकाली खेल मैदान से विशाल कलश यात्रा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी द्य

सुमेर मीणा । कस्बे में एसबीआई बैंक के ठीक सामने श्री सांवरिया सेठ धाम मंदिर परिसर में तृतीय पाटोत्सव का आयोजन हुआ द्य मंदिर परिसर में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान अलौकिक फूलों से श्रृंगार किया गयाद्य रविवार को तृतीय पाटोत्सव पर मंदिर परिसर में विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें सुप्रसिद्ध भजन गायक्करों द्वारा रात भर भजनों की प्रस्तुति दी गईद्य मंदिर के महंत श्यामशरण मनीष महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार को पांचबत्ती के पास स्थित खेल मैदान से सैकड़ो महिलाओं द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाली गईद्य कलश यात्रा खेल मैदान से शुरू हुई जो कस्बे के मुख्य मार्ग से होती हुई सांवरिया सेठ

मंदिर परिसर पहुंचीद्य मनीष महाराज के अनुसार आज 2 दिसंबर मंगलवार को मंदिर परिसर में हवन का कार्यक्रम आयोजित होगा तत्पश्चात भंडारे का कार्यक्रम होगा जिसमें हजारों की तादाद में श्रद्धालु प्रसादी ग्रहण करेंगेद्य इस दौरान सैकड़ो की संख्या में महिला एवं पुरुष मौजूद रहें।

फतेहाबाद सेशन जज दीपक अग्रवाल ने कानूनी जागरूकता वाहन को झंडी दिखाकर किया रवाना

जिला में एक दिसंबर से 30 दिसंबर तक चलेगा विशेष कानूनी जागरूकता अभियान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । हरियाणा राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण के दिशा निर्देशानुसार जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के सौजन्य से ग्रामीण क्षेत्रों और दूरवर्ती क्षेत्र में लोगों को कानूनी पहलुओं की जानकारी देने के लिए एक विशेष कानूनी जागरूकता अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला एवं सत्र न्यायाधीश दीपक अग्रवाल ने सोमवार को जिला एडीआर सेंटर से जागरूकता वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। सेशन जज दीपक अग्रवाल ने अधिवक्ताओं को कहा कि जागरूकता वाहन के द्वारा गांव-गांव जाकर लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जागरूक करें। साथ ही राष्ट्रीय लोक अदालत जोकि आने वाली आगामी 13 दिसंबर, 2025 को आयोजित होनी है उसमें अधिक से अधिक लोगों को आपसी भाईचारा से समझौता करने के लिए जागरूक करें। उन्होंने कहा कि आज के दिन समाज में साइबर क्राइम के मामले बढ़ते जा रहे हैं अधिवक्ताओं को साइबर क्राइम से बचने के लिए लोगों को अधिक से अधिक जागरूक करने का काम करना चाहिए। इस मौके पर जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण की सचिव एवं सीजेएम गायत्री ने अधिवक्ताओं से कहा कि वे आयोजित होने वाले जागरूकता शिविरों में आमजन की कानूनी पहलुओं के प्रत्येक विषय की जानकारी उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें।

इन गांवों में आयोजित होंगे शिविरः- सीजेएम गायत्री ने बताया कि 1 दिसंबर को गांव दरियापुर में एडवोकेट सुभाष चंद्र जांगू व पीएलवी राजबाला, 2 दिसंबर को गांव खारा खेड़ी में एडवोकेट शाहनवाज व पीएलवी ममता रानी, 3 दिसंबर को गांव अयाल्की में एडवोकेट मोहनलाल भांभू व पीएलवी विश्वामित्र, 4 दिसंबर को गांव भोडा होसनाक में एडवोकेट मुकेश कुमार व पीएलवी महेंद्र सिंह, 5 दिसंबर को गांव धौलू में एडवोकेट पूनम रानी व पीएलवी गीता रानी, 6 दिसंबर को गांव झलनिया में एडवोकेट कमलेश वशिष्ठ व पीएलवी रीटा जांगड़ा, 8 दिसंबर को गांव खाबड़ा कला में एडवोकेट अमन भट्टी व पीएलवी सरला रानी, 9 दिसंबर को गांव जांडली कलां में एडवोकेट सुभाष चंद्र व पीएलवी दर्शना, 10 दिसंबर को गांव किरढान में एडवोकेट शाहनवाज व पीएलवी समिता देवी, 11 दिसंबर को गांव करनौली में एडवोकेट मोहनलाल भांभू व पीएलवी राकेश कुमार, 12 दिसंबर को गांव भट्टू कलां में एडवोकेट अमन भट्टी व पीएलवी समिता रानी, 15 दिसंबर को गांव नांगल में एडवोकेट दीपक कुमार व पीएलवी मनदीप कौर ग्रामीणों को जागरूक करेंगे। इसी प्रकार से 16 दिसंबर को गांव गुरुसर में एडवोकेट सुखदेव सिंह व पीएलवी वीना देवी, 17 दिसंबर को गांव हसंगा में एडवोकेट गुरजंट सिंह व पीएलवी सुनहरी, 18 दिसंबर को गांव फुलां में एडवोकेट अनिल कुमार व पीएलवी रितुबाला, 19 दिसंबर को गांव मढ में एडवोकेट सीताराम बेनीवाल व पीएलवी वीरपाल कौर, 20 दिसंबर को गांव जल्लोपुर में एडवोकेट रणवीर सिंह व पीएलवी पाशो बाई, 22 दिसंबर को गांव इंदाछोई में एडवोकेट बलिंदर लांबा व पीएलवी सुमन देवी, 23 दिसंबर को गांव हैदरवाला में एडवोकेट मनदीप सिंह व पीएलवी सुलेख, 24 दिसंबर को गांव शक्करपुरा में एडवोकेट मोहनलाल गोस्वामी व पीएलवी पुनीत कौर, 29 दिसंबर को गांव ललोदा में एडवोकेट प्रवीण कुमार व पीएलवी रानी, 30 दिसंबर को गांव चांदपुरा में एडवोकेट रमेश शर्मा व पीएलवी रीना रानी ग्रामीणों को जागरूक करेंगे।

ये रहे मौजूदः- इस अवसर पर जिला बार एसोसिएशन के प्रधान एडवोकेट दिनेश गैरा, पीयूष बत्रा, सुभाष चंद्र जांगू, मुकेश, मोहनलाल भांभू, नवीन नारंग, सुमन लता सिवाच, प्रवेश मेहता, बलकार सिंह संधू सहित पैनल अधिवक्ता व जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के कर्मचारी मौजूद रहे।

महिलाओं ने मंगल गीत गाकर लगाई चुनरीयो के बूटियां

शाकंभरी सकरायधाम धाम की विशाल चुनरी यात्रा में देश-विदेश से लेते हैं श्रद्धालु भाग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शहर में स्थित राजकीय महाविद्यालय की पास नवोडा कुआं पर सोमवार को महिलाओं ने मंगल गीत गाकर माता शाकंभरी की चुनरियों पर बूटी लगाने का कार्य किया।इस अवसर पर सांवरमल सैनी, गणेश सैनी ,मीरा देवी, केसरी देवी ,सुमित्रा देवी ,बनारसी देवी ,प्रियंका मीणा ममता सहित आदि थे। जानकारी के अनुसार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शाकंभरी माता का प्राकट्य दिवस पर विशाल चुनरी यात्रा निकाली जाएगी। 3 जनवरी को विशाल चुनरी यात्रा जमात में स्थित गणपति गार्डन से

निकाली जाएगी जो कस्बे के मुख्य मार्ग , शाकंभरी गेट से होते हुए पैदल शाकंभरी तक जाएंगे। इस विशाल चुनरी यात्रा में दूर-दूर से हजारों की संख्या में महिलाएं व पुरुष शामिल होंगे।

हरियाणा अधिवक्ता परिषद का प्रांतीय अधिवेशन अम्बाला में शरीक हुए टोहाना के अधिवक्तागण

अधिवक्ता परिषद के वरिष्ठ सदस्यव व वरिष्ठ एडवोकेट सतपाल सिंगला की अगुवाई में गया टोहाना का अधिवक्ता प्रतिनिधि मंडल

संविधान दिवस समारोह व प्रांतीय अधिवेशन में कई संविधान विशेषज्ञो ने अपने विचार साझा किए

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । भारतीय अधिवक्ता परिषद शाखा टोहाना के अधिवक्ता गण 30नवम्बर को अम्बाला में आयोजित संविधान दिवस व प्रांतीय अधिवेशन में शरीक हुए।एस ए जैन कालेज अम्बाला शहर सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति राजेश बिंदल, न्यायाधीश, सुप्रीम कोर्ट,नई दिल्ली, विशिष्ट अतिथि गौरव गौतम राज्य मंत्री , हरियाणा, डॉ सीमा सिंह उपाध्यक्ष, हरियाणा अधिवक्ता परिषद,प्रविन्दरसिंह महाधिवक्ता, हरियाणा सरकार, रणबीर सिंह खड़काली राष्ट्रीय मंत्री, भारतीय

अधिवक्ता परिषद व अमित चंदेल, संयोजक, उत्तर क्षैत्र मौजूद रहे।इस पूरे कार्यक्रम के होस्ट अधिवक्ता परिषद अम्बाला व बार एसोसिएशन अम्बाला रही। टोहाना से अधिवक्ता परिषद के अनेक अधिवक्ता इस अधिवेशन में शरीक हुए जिसमें सतपाल सिंगला,महादेव सिंगला, विजेन्द्र सिंह नैन,सुनील भाटिया , प्रवीण गर्ग,महिला अधिवक्ता अनुपा शर्मा, मनप्रीत कौर,कृष्ण गोयल,एस एस पंवार,दीपक राजपाल, कंवलजीत बेहमनिया,जोनी गोयल, जगजीत गर्ग,प्रवीण दहिया, सुशील गर्ग, इत्यादि अनेक अधिवक्ताओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

सामाजिक सरोकारः विवाह के अवसर पर 51 हजार रुपए का सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । डॉ. भीमराव अंबेडकर छात्रावास निर्माण के लिए एक प्रेरणादायक पहल सामने आई है। कौशल्या ,रूपाराम परिहार (अध्यापक) की पुत्री दीपिका का विवाह 30 नवंबर को उदयरामसर निवासी जीयाराम लेखाला (मेघवाल) के पुत्र श्यामसुंदर के साथ संपन्न हुआ। इस शुभ अवसर पर रूपाराम परिहार ने बीकानेर स्थित डॉ. अम्बेडकर छात्रावास निर्माण में सहयोग हेतु 51 हजार का चेक संस्था

सचिव सोहन लाल गोयल को सौंपा। चेक सौंपते हुए, गोयल ने समाज के लोगों से अपील की कि विवाह समारोह के उपरांत समाज के मंदिर, ब्राह्मण, गोधा (गौ) व कारु (सफाईकर्मी)के नाम से सहयोग राशि देने की जो परंपरा है, उसमें इस परंपरा के साथ-साथ छात्रावास हेतु सहयोग राशि भी समाज को देनी चाहिए। इस संदर्भ में, खबर में डॉ. भीमराव अम्बेडकर के शिक्षा पर विचार को रेखांकित किया गया है, 'शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार है, अतः शिक्षा के दरवाजे प्रत्येक नागरिक के लिए खुले होने चाहिए तथा शिक्षा सस्ती से सस्ती हो ताकि निर्धन से निर्धन व्यक्ति भी शिक्षा प्राप्त कर सकें।' परिहार परिवार ने इसी बात को क्रियान्वित करने हेतु छात्रावास निर्माण में सहयोग किया। परिहार के परिजन बख्ताराम, पन्नाराम, जयनारायण, गणेशाराम, राधेश्याम परिहार व डॉ. सुशील कुमार मोयल इत्यादि ने इस पुनीत कार्य की सराहना की। यह जानकारी सोहनलाल गोयल ने दी।

नेशनल गार्ड पर हमला करने वाला अफगानी अमेरिका पहुंचकर बना कट्टरपंथी

–यह दावा होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में नेशनल गार्ड के दो जवानों पर हुए हमले की जांच अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि आरोपी रहमनुल्लाह लकानवाल की कट्टरपंथी सोच अफगानिस्तान में नहीं, बल्कि अमेरिका आने के बाद विकसित हुई। यह दावा खुद होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम ने एक इंटरव्यू में किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 29 साल का लकानवाल पर आरोप है कि उसने व्हाइट हाउस के पास नेशनल गार्ड के दो सैनिकों पर फायरिंग की। इस हमले में 20 साल की सारा बेकस्ट्रॉम की मौत हो गई और 24 साल के एंड्रयू वोल्फ गंभीर रूप से घायल हैं जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस घटना ने अमेरिका की राजनीति में बवाल खड़ा कर दिया। वहीं सवाल उठ रहा है कि क्या अब अमेरिका के अंदर ही अब बड़े खतरे पैदा हो रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक क्रिस्टी नोएम ने कहा कि शुरुआती जांच में संकेत मिले हैं कि लकानवाल वॉशिंगटन स्टेट में रहने के दौरान कट्टरपंथी नेटवर्क के संपर्क में आया। उन्होंने कहा कि हम मानते हैं कि उसकी सोच अमेरिका आने के बाद बदल गई। हम उसके परिवार और समुदाय से जुड़े लोगों से पूछताछ कर रहे हैं। लकानवाल 2021 में उस समय अमेरिका आया था, जब बाइडेन प्रशासन ने तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में अमेरिकी सहयोगियों को बड़े पैमाने पर निकाला था। हालांकि उसे अप्रैल में शरण ट्रंप प्रशासन ने मंजूर की थी। क्रिस्टी नोएम ने चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति हमले से संबंधित जानकारी छिपाएगा या सहयोग नहीं करेगा, उसके खिलाफ भी अमेरिकी प्रशासन कड़ी कार्रवाई करेगा। अमेरिका ने सभी असाइलम एप्लिकेशंस यानी शरण की प्रक्रिया रोक दी है। सरकार ने संकेत दिए हैं कि पेंडिंग असाइलम केस वाले लोगों को भी डिपोर्ट किया जा सकता है, अगर उन्हें खतरा माना गया। अमेरिका ने बाइडन प्रशासन में दिए गए सभी ग्रीनकार्ड की जांच शुरू कर दी है।

बलूचिस्तान में 24 घंटे में सात धमाके, एफसी हेडक्वार्टर पर फिदायीन हमला

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलूचिस्तान में पिछले 24 घंटों में आतंकी गतिविधियों ने एक बार फिर खौफ पैदा कर दिया है। इस दौरान कम से कम सात बड़े विस्फोट हुए और नोकुंडी स्थित फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के हेडक्वार्टर पर आत्मघाती फिदायीन हमला हुआ। हमलावर ने मुख्य गेट पर खुद को बम से उड़ा लिया, जिसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच भयंकर गोलीबारी शुरू हो गई। एफसी बलूचिस्तान साउथ के अनुसार, विस्फोट के तुरंत बाद कम से कम छह हथियारबंद हमलावर परिसर में घुस आए। सुरक्षाबलों ने तत्काल जवाबी कार्रवाई शुरू की और अब तक तीन आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। एफसी के प्रवक्ता ने कहा, ‘हर कमरे की तलाशी ली जा रही है। जब तक आखिरी आतंकी को खत्म नहीं कर दिया जाता, ऑपरेशन जारी रहेगा। प्रशासन ने इस हमले की जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) पर डाली है। इसी अवधि में बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा और डेरा मुराद जमाली भी निशाने पर रहे। क्वेटा में शनिवार को एक पुलिस चौकी पर हैंड ग्रेनेड फेंके गए। इसके कुछ देर बाद आतंकवाद-निरोधक विभाग (सीटीडी) की गाड़ी के पास शक्तिशाली विस्फोट हुआ। उसी दिन क्वेटा रेलवे स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक पर लगाए गए आईईडी में धमाका हुआ, जिससे पटरी क्षतिग्रस्त हो गई और क्वेटा आने-जाने वाली सभी ट्रेन सेवाएं निलंबित कर दी गईं। डेरा मुराद जमाली में गश्त कर रही पुलिस की गाड़ी पर भी ग्रेनेड से हमला किया गया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से बलूचिस्तान में आतंकी और अलगाववादी हमले तेज हो गए हैं। हाल ही में पेशावर में एफसी परिसर पर हुए फिदायीन हमले में तीन लोग मारे गए थे, जबकि क्वेटा में पैरामिलिट्री कैंप के बाहर कार बम विस्फोट ने पूरे इलाके को हिला दिया था। कई हमलों की जिम्मेदारी बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी ने भी ली है। बलूचिस्तान में बढ़ती हिंसा ने एक बार फिर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों की चुनौतियों को उजागर कर दिया है। प्रांत में टीटीपी के साथ-साथ बलूच विद्रोही संगठनों की गतिविधियां लगातार सिरदर्द बनी हुई हैं।

मातम में डूबा हांगकांग, 146 लोग जिंदा जले, सवाल पूछने पर चीन ठोक रहा देशद्रोह का केस

ताई पो (एजेंसी)। हांगकांग के ताई पो जिले के वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स में भीषण आग लगी। इस दर्दनाक आग दुर्घटना में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा 146 हो गया है, और अभी और शव मिलने की आशंका है। कई विदेशी नागरिक, जिसमें इंडोनेशिया के सात और फिलीपींस के एक नागरिक शामिल हैं, की भी मौत की पुष्टि हुई है। आग ने कॉम्प्लेक्स के आठ में से सात ब्लॉकों को अपनी चपेट में ले लिया। लोगों का मानना है कि यह कोई हादसा नहीं, बल्कि रोकी जा सकने वाली आपदा थी और यह अन्यायपूर्ण सिस्टम का जहरीला फल है। हजारों लोगों ने घटनास्थल पर फूल चढ़ाए और श्रद्धांजलि दी। इस हादसे ने हांगकांग के निर्माण क्षेत्र में भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। अब तक 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से तीन पर गैर-इरादतन हत्या का आरोप है। एहतियात के तौर पर, शहर की 30 अन्य प्राइवेट कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम रोक दिया गया है। यूके के ग्रेनफेल टॉवर पीड़ितों का केस लड़ने वाले वकील इमरान खान ने आंतरिक जांच के बजाय पब्लिक इंक्वायरी (सार्वजनिक जाँच) की मांग की है।

राज्य स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में छाई शांति निकेतन स्कूल की छात्रा दिव्या- प्रधानाचार्य रणसिंह रेपस्वाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । प्रत्यक्ष को प्रमाण की आवश्यकता नही होती। इस बात का उदाहरण देते हुए शांति निकेतन पब्लिक सीनियर सैकेंड्री स्कूल, ढिंगसरा के प्रधानाचार्य रणसिंह जी रेपस्वाल व डायरेक्टर विजय सिंह बाघेला ने बताया कि हमारे विद्यालय के बच्चों का इतिहास रहा है कि वे शिक्षा, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, भाषण व क्विज प्रतियोगिताओं सहित अन्य विभिन्न गतिविधियों में अपनी अनूठी पहचान बनाते है। इसी कड़ी को जारी रखते हुए 29 नवंबर को हरियाणा सरकार द्वारा कुरूक्षेत्र विकास बोर्ड एवं कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय में आयोजित हरियाणा पैवेलियन अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव 2025 में शांति निकेतन स्कूल की छात्रा दिव्या ने पूरे हरियाणा राज्य के बच्चों व स्कूलों को पछाड़ते हुए गीता जयंती भाषण प्रतियोगिता में तीसरा स्थान प्राप्त किया है। उन्होंने बताया कि इस अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में पूरे हरियाणा राज्य से 68 विद्यालयों के बच्चों ने भाषण प्रतियोगिता में भाग लिया था, जिसमें से छात्रा दिव्या अपने मनमोहक शब्दों का प्रयोग करते हुए हरियाणा राज्य में तृतीय स्थान प्राप्त कर अपने स्कूल, गाँव व अभिभावकों का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि इस प्रतियोगिता में विजेता रही छात्रा को नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। उन्होंने बताया कि बच्चों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं होती, उनको बस सही दिशा दिखाने की जरूरत होती है। हमें बच्चों का उचित मार्गदर्शन कर बच्चों में छुपी हुई प्रतिभा को सबके सामने लाने का प्रयास करना चाहिए और उन्हें पढ़ाई के साथ-साथ जीवन मूल्यों का ज्ञान देना चाहिए, ताकि वे देश के एक अच्छे नागरिक बन सकें। उन्होंने क्षेत्रवासियों को आश्वासन दिया कि शांति निकेतन स्कूल समय-समय पर बच्चों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर उनकी आवश्यकतानुसार हर चीज उन्हें उपलब्ध करवाता रहेगा और ऐसी प्रतियोगिताओं में बच्चों को बढ़चढ़ भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा।

बीकानेर कांग्रेस शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल को मेघवाल समाज संस्थान ने दी हार्दिक बधाई

नियुक्ति को बताया ‘एक नए युग की शुरुआत’; परिवार का स्वास्थ्य सेवा में समर्पण सराहनीय

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर कांग्रेस (शहर) अध्यक्ष के रूप में श्री मदन गोपाल मेघवाल की नियुक्ति पर मेघवाल समाज संस्थान ने उन्हें सर्किट हाउस पहुंचकर हार्दिक बधाई दी। इस अवसर पर संस्थान के तहसील अध्यक्ष (बीकानेर) श्री जय प्रकाश गीगासर भी उपस्थित रहे। मेघवाल समाज संस्थान ने इस नियुक्ति को समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की उम्मीद के साथ ‘एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक’ माना है। मदन गोपाल मेघवाल को एक सच्चे समाजसेवी के रूप में जाना जाता है, जिनका और उनके परिवार का समर्पण समाज सेवा के प्रति अटूट रहा है। उनके व्यक्तित्व और सामाजिक योगदान की बात करें तो, मेघवाल का व्यवहार 36 कौम के लोगों के साथ अत्यंत सौहार्दपूर्ण और मधुर रहा है, जिससे उनकी सामाजिक स्वीकार्यता बढ़ी है। समाज सेवा के प्रति उनके गहरे लगाव का प्रमाण यह है कि उनके परिवार द्वारा बीकानेर के पीबीएम हॉस्पिटल में एक वार्ड को गोद लिया गया है, जिसकी देखरेख का संपूर्ण कार्य उनके परिवार द्वारा किया जाता है।कांग्रेस पार्टी द्वारा उन्हें बीकानेर जिला अध्यक्ष पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपने के फैसले को समाज और उनके समर्थकों द्वारा खूब सराहा जा रहा है। समाज ने विश्वास व्यक्त किया है कि मेघवाल के नेतृत्व में कांग्रेस संगठन और सामाजिक कार्य दोनों को नई दिशा मिलेगी।

गीतामय हुआ फतेहाबाद, गूंज उठी गीता जय जयकार

पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने गीता पूजन कर झंडी दिखा कर नगर शोभायात्रा का किया शुभारंभ

नगर शोभायात्रा में उमड़ी श्रद्धा और उत्साह की अपार भीड़

शोभायात्रा पर जगह-जगह पुष्प वर्षा, झांकियों और बैंड-बाजों ने मोहा मन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिला स्तरीय गीता जयंती महोत्सव के समापन अवसर पर सोमवार को फतेहाबाद शहर अध्यात्म, श्रद्धा और भारतीय संस्कृति की उज्ज्वल धारा में सराबोर हो उठा। पूरे नगर में भव्यता और आध्यात्मिक उल्लास से परिपूर्ण श्रीमद्भगवद्गीता की विशाल नगर शोभायात्रा निकाली गई, जिसने प्रत्येक मार्ग को गीता-नाद से गुंजायमान कर दिया। पंचायत भवन से आरंभ हुई शोभायात्रा का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल व विशिष्ट अतिथि भाजपा जिला अध्यक्ष प्रवीण जोड़ा ने गीता पूजन कर किया। शहर के विभिन्न मार्गों से गुजरती हुई यह भव्य यात्रा पुनः पंचायत भवन पहुंचकर संपन्न हुई।

शोभायात्रा में भव्य झांकियां बनी

शोभायात्रा में घोड़ा बग्गी में विराजमान श्रीमद्भगवद्गीता की पालकी सबसे आगे चल रही थी। इसके साथ राधा-कृष्ण, कृष्ण-अर्जुन संवाद, पांडव सेना सहित विभिन्न पौराणिक दृश्यों की आकर्षक झांकियों ने लोगों का मन मोह लिया। स्कूली बच्चों द्वारा श्लोक-उच्चारण करती झांकी और नगाड़ा-बीन ढफली पार्टियों की ताल पर उत्साह से नाचते कलाकार शोभायात्रा के मुख्य आकर्षण रहे। यात्रा का शहरभर में गुरुद्वारा सिंह सभा, जूना अखाड़ा, अग्रवाल सभा, जिओ गीता, रोड सेफ्टी संगठन, रामधनी सामाजिक कल्याण ट्रस्ट, अरोड़वंश महासभा, पंचनद सेवा ट्रस्ट सहित अनेक धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने पुष्प वर्षा कर गर्मजोशी से स्वागत किया।

अधिकारियों व गणमान्यों की रही

इस अवसर पर नगराधीश गौरव गुप्ता, उपनिदेशक अमित पंवार, डीईओ संगीता बिश्नोई, डीएचओ डॉ. श्रवण कुमार, भद्दू मार्केट कमेटी चेयरमैन प्रदीप मांडन, जिओ गीता से दीपक सरदाना, नरेंद्र मोंगा, फतेहाबाद मार्केट कमेटी वाइस चेयरमैन इंद्र गावड़ी, विकास ललौदा, विकास शर्मा, सुमन बजाज, जगदीश शर्मा, संदीप भोडिया, विजय जांगड़ा, रमेश जोइया, राम कुमार मेहरा, नरेश सरदाना, मंजू बाजीगर, भूप सिंह, सुभाष चंदोरा सहित बड़ी संख्या में सम्मानित नागरिक, समाजसेवी, युवा व महिलाएं उपस्थित रहीं।

निराशा से आशा की ओर ले जाती है गीता- सुनीता दुग्गल

पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का संपूर्ण मार्गदर्शन है। गीता मनुष्य को कठिन परिस्थितियों में धैर्य बनाए रखने, विवेकपूर्ण निर्णय लेने और अपने कर्तव्य के प्रति अडिग रहने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति का वर्तमान और भविष्य उसके कर्मों से तय होता है। इसलिए निराशा, भय या भ्रम में पडने के बजाय हमें अपने लक्ष्य की ओर समर्पित भाव से प्रयासरत रहना चाहिए।पूर्व सांसद ने कहा कि गीता का प्रत्येक अध्याय जीवन की किसी न किसी समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है। यदि कोई व्यक्ति गीता के मूल संदेश कर्म, ज्ञान और भक्ति को समझ लेता है, तो उसका जीवन स्वतः ही सुंदर, संयमित और सफल बन जाता है। सुनीता दुग्गल ने कहा कि गीता हमें न केवल अच्छे कर्म करने का संदेश देती है बल्कि सही समय पर साहसिक निर्णय लेने की भी प्रेरणा देती है। यह ग्रंथ निराश मनुष्य को उठाकर आशा और उत्साह की नई दिशा देता है। मुख्य अतिथि पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल ने कहा कि गीता जीवन का मार्गदर्शन करती है तथा निराशा से आशा की ओर बढने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि यदि मनचाहे परिणाम न मिलें तो हताश होने की आवश्यकता नहीं, क्योंकि कर्म करना मनुष्य के हाथ में है, परिणाम नहीं। उन्होंने कहा कि गीता का एक-एक श्लोक जीवन को नई दिशा देता है। शिक्षा के साथ-साथ बच्चों को मेडिटेशन और मनोनिग्रह का अभ्यास अवश्य करना चाहिए। आज से ढाई हजार वर्ष पूर्व भी गीता में मन की एकाग्रता और ध्यान के महत्व को सर्वोपरि बताया गया है।

इजराइली पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार में फंसे अब राष्ट्रपति से मांग रहे क्षमादान

–कानूनी विशेषज्ञ बोले– यह क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता

तेलअवीव (एजेंसी)। गाजा समते कई देशों पर हमला करने वाले इजराइल के पीएम नेतन्याहू भ्रष्टाचार के मामलों में इस कदर घिर गए कि अब वह राष्ट्रपति से क्षमादान मांग रहे हैं। उनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मुकदमे पर रोक लगवाने के लिए उन्होंने राष्ट्रपति से माफी मांगी है। नेतन्याहू इजराइल के ऐसे पहले पीएम हैं जो कि मुकदमे के बावजूद पद पर मौजूद हैं। नेतन्याहू पर विश्वासघात, रिश्वत लेने और पैसे के बदले टेलीकॉम कंपनियों और हॉलिवुड प्रोड्यूसर से राजनीतिक समर्थन हासिल करने का आरोप है।

नेतन्याहू इन आरोपों को लेकर देश की न्याय व्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं। उन्होंने कहा कि यह अनुरोध क्षेत्र में अहम बदलावों के दौर में देश को एकजुट करने में मदद करेगा। हालांकि नेतन्याहू के विरोधियों ने तुरंत इसकी निंदा की और कहा कि इससे इजराइल की लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर होंगी और यह खतरनाक संदेश जाएगा कि वह कानून के शासन से ऊपर हैं। इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक बयान जारी कर कहा कि नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से क्षमादान का अनुरोध किया है।

बेंजामिन नेतन्याहू पर तीन मुकदमे चल रहे हैं लेकिन उन्हें अब तक किसी भी मामले में दोषी नहीं करार दिया गया है। हालांकि इन मुकदमों से उनका करियर दांव पर लगा है। अगर किसी भी मामले में उन्हें दोषी पाया जाता है तो उन्हें तत्काल इस्तीफा देना पड़ सकता है। नेतन्याहू ने इस मामले की निंदा करते हुए इसे मीडिया, पुलिस और न्यायपालिका द्वारा साजिश के तहत निशाना बनाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी कहा कि हफ्ते में तीन बार अदालत में पेश होने की उनकी अनिवार्यता एक ऐसा ध्यान भटकाने वाला कदम है जिससे उनके लिए देश का नेतृत्व करना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा कि मुकदमे का जारी रहना हमें अंदर से तोड़ देता है, विभाजन करता है और दरार को और गहरा करता है। देश के कई अन्य लोगों की तरह, मुझे भी यकीन है कि मुकदमे के तुरंत निपटारे से सुलह को बढ़ावा मिलेगा, जिसकी हमारे देश को सख्त जरूरत है। हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि क्षमादान का अनुरोध मुकदमे को नहीं रोक सकता।

नेतन्याहू के अनुरोध पर विपक्ष ने तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की और राष्ट्रपति से उनके अनुरोध को नहीं मानने का आग्रह किया। विपक्षी नेता यायर लापिड ने कहा कि आप उन्हें अपराध स्वीकार किए बिना, पश्चाताप की अभिव्यक्ति के बिना और राजनीतिक जीवन से तत्काल संन्यास लिए बिना क्षमादान नहीं दे सकते हैं।

इंडोनेशिया झेल रहा प्राकृतिक मार, बाढ़ और भूस्खलन से 400 से ज्यादा मौतें

हजारों घर बहे, सैकड़ों गांव कटे और पूरे के पूरे इलाके मिट्टी में हो गए दफन

जकार्ता (एजेंसी)। इंडोनेशिया इन दिनों प्राकृतिक कहर का सामना कर रहा है। करीब एक सप्ताह पहले आए ट्रॉपिकल साइक्लोन ‘सिन्यार’ ने सुमात्रा को ताबड़तोड़ बारिश, विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलनों में झोंक दिया। हजारों घर बह गए, सैकड़ों गांव कट गए और कई इलाके मिट्टी में दफन हो गए। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अब तक 440 से ज्यादा लोग मारे गए हैं, जबकि कम से कम 400 लोग अभी भी लापता हैं, जिनमें से कई के मलबे में दबे होने की आशंका है।

मीडिया रिपोर्ट में राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के हवाले से बताया गया है कि अचेह, नॉर्थ सुमात्रा और वेस्ट सुमात्रा सबसे गंभीर रूप से प्रभावित इलाका है। एजेंसी प्रमुख सुहार्यांतो ने चेतावनी दी कि सेंट्रल तापनूली और सिबोल्गा पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गए हैं। इन इलाकों तक न सड़क पहुंच रही है, न संचार, और न ही राहत। समुद्र और हवाई रास्तों से आपूर्ति की जा रही है, लेकिन कई गांवों तक किसी भी तरह की सहायता अब तक नहीं पहुंची है। हजारों लोग खाने और पानी के इंतजार में कई दिनों से फंसे हैं।

दुर्गम स्थितियों के बीच भयावह स्थिति है। सुमात्रा के कई इलाकों में लोगों ने भूख से मजबूर होकर दुकानों को तोड़ना शुरू कर दिया है। स्थानीय पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि लोगों को नहीं पता था कि सहायता आ रही है, उन्हें डर था कि वे भूख से मर जाएंगे। इसलिए उन्होंने दुकानों से खाना और पानी उठाना शुरू कर दिया। स्थिति गंभीर है। व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बलों को तैनात किया गया है।

वेस्ट सुमात्रा की राजधानी पदांग से 100 किमी दूर सुनगई न्यालो गांव में पानी का बहाव भले ही कम हुआ हो, लेकिन अब पूरा गांव घुटनों तक मोटी, राख जैसी धूसर मिट्टी में दफन है। न घर बचा, न फसल, न वाहन। चारों तरफ सिर्फ खामोशी और विनाश नजर आ रहा है।

न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द, कई परिवारों पर संकट

– ऑडिट में पाया विदेशी लाइसेंस को बदलने की प्रक्रिया में हुई धोखाधड़ी

वेलिंग्टन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड में 459 भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। देशभर में भारी वाहनों के लाइसेंस बदलने में मिले फर्जीवाड़े के बाद न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने कड़ा कदम उठाया। इसके चलते कई भारतीय परिवार आर्थिक संकट में फंस गए हैं और उन्होंने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी के ऑडिट में पाया गया कि विदेशी लाइसेंस को न्यूजीलैंड के लाइसेंस में बदलने की प्रक्रिया में धोखाधड़ी हुई है। पहले 440 लाइसेंस रद्द हुए थे, अब यह संख्या बढ़कर 459 हो गई है। ये सभी रद्दीकरण ‘झूठे या बदले हुए दस्तावेजों’ के कारण हुए हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक रद्द किए गए लाइसेंस सभी विदेशी ड्राइवर भारत से हैं! इनमें से 436 मामलों में यूएई से, 18 ऑस्ट्रेलिया से और पांच कनाडा से जारी दस्तावेज से जुड़े हैं। इनमें से कोई भी मामला सीधे भारतीय लाइसेंस के इस्तेमाल से नहीं जुड़ा है, क्योंकि भारत जैसे गैर-छूट वाले देशों के लिए न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट के नियमों के तहत पूरी तरह से टेस्टिंग जरूरी है।

रिपोर्ट के मुताबिक पहले न्यूजीलैंड में हजारों भारतीय ड्राइवरों ने ऑनलाइन 27-54 हजार रुपए देकर जाली ‘सपोर्ट लेटर’ खरीदे। ये लेटर दिखाकर उन्होंने आसानी से ड्राइविंग लाइसेंस और वीजा ले लिया। सरकार पहले इन्हें मान लेती थी, इसलिए सबका काम चल जाता था, लेकिन अब ऐसे जाली लेटर बिल्कुल अवैध माने जा रहे हैं। अब इन लेटर्स से मिला लाइसेंस और वीजा रद्द हो रहा है यानी वह पुराना आसान रास्ता अब हमेशा के लिए बंद।

इनमें ज्यादातर ड्राइवर 30-35 साल के हैं और उन्होंने थ्योरी और प्रैक्टिकल टेस्ट पास किया है। इसके अलावा सांसद परमजीत परमार ने न्यूजीलैंड के ट्रांसपोर्ट मंत्री साइमोन ब्राउन को पत्र लिखकर कहा है कि ये मेहनती प्रवासी हैं जिन्होंने न्यूजीलैंड के ट्रकिंग सेक्टर में ड्राइवरों की कमी पूरी की। सभी ड्राइवरों ने समाधान की मांग की ताकि उनके परिवारों को मदद मिल सके।

ऑकलैंड के ताकानिनी गुरुद्वारे में 22 नवंबर को भारतीय ट्रक ड्राइवर और उनके परिवार जमा हुए और न्याय की मांग की। इस दिन अमृतपाल सिंह ने कहा कि न्यूजीलैंड ट्रांसपोर्ट एजेंसी ने हमारी आमदनी छीन ली है और अब हम अपने बच्चों को कैसे पालेंगे? वहीं परमिंदर सिंह ने बताया कि वे अपने घर का किराया भी नहीं दे पा रहे हैं। इस मुद्दे पर ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बता दें न्यूजीलैंड में ट्रक चलाने वालों की कमी लंबे समय से बनी हुई है। 2022 में 3,449 ड्राइवरों की कमी थी। इस सेक्टर में भारतीय प्रवासियों की भूमिका बढ़ गई। 2025 की रिपोर्ट बताती है कि एशियाई ड्राइवर, जिनमें ज्यादातर भारतीय हैं अब ट्रकिंग इंडस्ट्री के 20फीसदी तक हैं।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीत के बाद केएल राहुल ने 'रो-को' की जोड़ी को सराहा, हर्षित राणा पर जताया भरोसा

रांची (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका पर अपनी टीम की कड़ी जीत के बाद, भारतीय कप्तान केएल राहुल ने स्वीकार किया कि रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों को इतनी स्वतंत्रता के साथ क्रिकेट खेलते देखना मजेदार था और उन्होंने नई गेंद से तेज गेंदबाज हर्षित राणा के प्रदर्शन की भी सराहना की और उन्हें विशेष और संभावनाओं से भरपूर कहा। 'रो-को' का जश्न सिडनी में जहां से रुका था, वहीं से जारी रहा और रांची के दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया, जिसमें विराट ने अपना 52वां वनडे शतक बनाया और रोहित ने सर्वाधिक वनडे छक्कों का रिकॉर्ड तोड़ा।

हर्षित राणा के नई गेंद के तेज स्पैल के बावजूद, प्रोटियाज टीम मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मार्को जेनसन और कॉर्बिन बॉश के अर्धशतकों की बदौलत 11/3 के खराब स्कोर से खेल में वापसी करने में सफल रही, लेकिन कुलदीप यादव के चौके की बदौलत वे जीत से 17 रन दूर रह गए। मैच के बाद बोलते हुए, केएल ने स्वीकार किया कि 350 रनों के इतने तनावपूर्ण बचाव के दौरान उनके पेट में कुछ घबराहट हो रही थी। उन्होंने कहा कि अगर मैं कहूँ कि बिल्कुल भी घबराहट नहीं हुई (दक्षिण अफ्रीका द्वारा पीछा किए जाने के दौरान कोई घबराहट?) तो मैं झूठ बोलूँगा। कुछ समय बाद एकदिवसीय क्रिकेट खेलना और फिर से देश की कप्तानी करना - खुद से एक उम्मीद है। पूरे समय शांति का माहौल था, लेकिन उन्होंने हमें दबाव में रखा और लगातार कड़ी मेहनत करते रहे - यह रोमांचक था।

रोहित और विराट के बारे में बोलते हुए, उन्होंने कहा, ÷उन्हें (कोहली और रोहित) इस तरह खेलते हुए, उस आज़ादी के साथ खेलते हुए देखना हमेशा मज़ेदार होता है, उन्होंने अपने पूरे करियर में यही किया है। मैं यह लंबे समय से देख रहा हूँ। मेरे लिए, ड्रेसिंग रूम में उनका साथ बहुत मज़ेदार है।÷ हर्षित के बारे में, राहुल ने कहा कि उनकी लंबाई और रन बनाने की क्षमता के कारण टीम उन्हें ढूंढ रही थी, और वह अभी भी विकास कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हर्षित ने वाकई बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। ड्रेसिंग रूम में आते ही मुझे पता चल गया था कि वह ख़ास है। वह ऐसा खिलाड़ी है जिसकी टीम को तलाश थी। वह अभी भी विकास कर रहा है, लेकिन उसमें काफ़ी क्षमता है। केएल ने छठे नंबर पर बल्लेबाज़ के रूप में अपनी नई भूमिका को अपने 'व्यक्तिगत विकास' के लिए अच्छा बताया। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि खेल के बारे में सोचते रहो और बेहतर होने की कोशिश करते रहो।

इस मैच में, दक्षिण अफ्रीका ने भारत को पहले बल्लेबाज़ी के लिए आमंत्रित किया।

यशस्वी जायसवाल 16 गेंदों में 18 रन बनाकर शानदार शुरुआत के बाद आउट हो गए, जबकि रोहित (51 गेंदों में 57 रन, पाँच चौकों और तीन छक्कों की मदद से) और विराट ने दूसरे विकेट के लिए 136 रनों की साझेदारी करके रांची के दर्शकों का मन मोह लिया। मध्यक्रम में भारत की लय बिगड़ गई, रोहित, रुतुराज गायकवाड़ (8) और वाशिंगटन सुंदर (13) जल्दी-जल्दी आउट हो गए और भारत का स्कोर 200/4 हो गया।

रोहित की शाहिद अफरीदी से तुलना नहीं की जा सकती : अतुल वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर अतुल वासन ने कहा है कि रोहित शर्मा और शाहिद अफारीदी की तुलना नहीं की जा सकती है। रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में तीन छक्के लगाते ही अफरीदी के सबसे अधिक छक्कों का रिकार्ड तोड़ दिया था। रोहित ने इस मैच में 51 गेंदों पर 5 चौकों के साथ ही 3 छक्के लगाकर 57 रन बनाये थे। वहीं रोहित के छक्कों के इस रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से किये जाने पर इस पूर्व किकेटर ने कहा कि यह तो सेब की तुलना संतरे से करने जैसा है। रोहित 352 छक्के 269 पारियों में लगाये जबकि शाहिद अफरीदी ने 351 छक्के 369 पारियों में लगाये थे। ये रोहित की तुलना में 100 पारियां ज्यादा है।

वासन ने कहा कि रोहित के रिकॉर्ड की तुलना अफरीदी से करना सही नहीं है, क्योंकि रोहित ने इसे सलामी बल्लेबाज के तौर पर 100 पारियां कम खेलकर हासिल कर लिया। इससे उनका प्रभाव पता चलता है। वहीं अफरीदी की भूमिका बाद में आकर फिनिश करना और स्लॉग करना था। लेकिन एक ओपनर के तौर पर, 100 कम पारियों को खेलकर इतना बड़ा रिकॉर्ड बनाना, यह दिखाता है कि उन्होंने भारतीय टीम के लिए कितना प्रभाव किया बताया है।

रोहित की बड़े शॉट मारने और एक सलामी बल्लेबाज के तौर पर मजबूत स्ट्राइक रेट बनाए रखने की क्षमता उनकी सफलता और भारत की जीत पर उनके सकारात्मक प्रभाव को दिखाती है। वासन ने कहा की रोहित ने पारी की तेजी से शुरुआत करते हुए भारतीय टीम की जीत के लिए आधार बनाया है।

बीसीसीआई के बाद विराट ने भी संन्यास से वापसी की अटकलों को खारिज किया

-एक ही प्रारुप खेलूंगा

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि वह अब केवल एकदिवसीय प्रारुप ही खेलेंगे और टेस्ट में वापसी करने का उनका कोई इरादा नहीं है। इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी विराट के एक फिर टेस्ट खेलने की संभावनाओं को गलत बताया था। भारतीय टीम की दक्षिणअफ्रीका से के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 0-2 से करारी हार को देखते हए ये अटकलें लगायी जा रही थीं कि विराट संन्यास से वापसी कर सकते हैं। ये भी कहा जा रहा था कि बीसीसीआई कोहली से उनके टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के फैसले को बदलने के लिए भी बात करने की योजना बना रहा था। बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने कहा, विराट के संन्यास से वापसी की बातें केवल एक अफवाह है। इस बारे में कोहली से कोई बातचीत नहीं हुई है। आधारहीन बातों को न फैलाएं ऐसा कुछ नहीं हुआ है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के पहले ही मैच में शानदार शतक लगाया इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया गया। वहीं तक विराट से जब पूछा गया कि वह आगे भी क्या सिर्फ एक ही प्रारुप में खेलते नजर आएंगे? तो इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'हां, हमेशा ऐसा ही होगा। मैं तो बस एकदिवसीय ही खेलूंगा।'

ऐस में देखना होगा कि टीम प्रबंधन एकदिवसीय विश्वकप 2027 को लेकर क्या योजना बनाता है। अब तक के अनुममानों से दिख रहा है कि प्रबंधन रोहित और विराट को अगले विश्व कप के लिए टीम का हिस्सा नहीं मानता है। कोहली और ने इस साल इंग्लैंड दौरे से पहले ही टेस्ट से संन्यास ले लिया था।

गावस्कर ने विराट को एकदिवसीय का महानतम बल्लेबाज बताया

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए उन्हें अब तक का सबसे महान एकदिवसीय क्रिकेटर करार दिया है। उन्होंने कहा कि विराट के 52 शतक बताते है कि वह एकदिवसीय प्रारुप में कितने बेहतरीन खिलाड़ी हैं। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय में 135 रनों की पारी खेलने के साथ ही इस प्रारुप में सबसे अधिक शतक का रिकार्ड भी अपने नाम किया है।

गावस्कर ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई संदेह नहीं है। मेरा मतलब है कि यह केवल मैं नहीं सोचता हूं। मुझे लगता है कि जो लोग विराट के साथ और उनके खिलाफ खेले हैं वे सभी इस बात को जानते हैं कि वह एकदिवीय प्रारूप का सबसे महान खिलाड़ी है।' उन्होंने कहा, विराट ने 52 शतक बनाए हैं। ये आंकड़ा उसे बहुत ऊपर ले जाता है।' यहां तक कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग भी कोहली की क्षमताओं का लोहा मानते हैं।

गावस्कर ने कहा, 'पोंटिंग ने कहा हैं उन्होंने जिन बल्लेबाजों को देखा है उनमें कोहली एकदिवसीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ हैं। मेरा मतलब है कि जब कोई ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कहता है कि कोहली सबसे अच्छे हैं तो मुझे नहीं लगता कि तब इसमें किसी को कोई संदेह होना चाहिये। हर कोई इस बात से सहमत होगा कि किसी ऑस्ट्रेलियाई से तारीफ काफी कम मिलती है।' गावस्कर ने कहा कि सचिन तेंदुलकर के 51 एकदिवसीय शतक के रिकॉर्ड को पार कर विराट ने अपने को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा, 'आप अब तक सचिन 51 शतक के साथ शीर्ष पर थे पर जब आप महान सचिन जैसे महान खिलाड़ी को पीछे छोड़ देते हैं तो आपको पता चलता है कि आप कहां खड़े हैं।'

गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के कोच शुक्री कॉनराड की भारतीय टीम को घुटने पर लाने वाली टिप्पणी की आलोचना की है। उन्होंने कहा, 'यह एक गलत सलाह वाली टिप्पणी हो सकती है।गलत समय, गलत जगह। मुझे उम्मीद है कि अगली बार मीडिया से बात करते हुए वह ध्यान रखेंगे हालांकि मुझे नहीं लगता कि उन्हें माफी मांगने की जरूरत है। मैं निजी तौर पर माफी में विश्वास नहीं रखता।' गावस्कर ने कहा, 'पर अपनी गलती को स्वीकार करना चाहिये। ऐसी चीजें होती ही रहती हैं। जोश में आकर आप कभी-कभी कुछ ऐसा कह देते हैं।'

उनादकट मुश्ताक अली टूर्नामेंट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले खिलाड़ी बने

अहमदाबाद । सौराष्ट्र के कप्तान जयदेव उनादकट ने दिल्ली के खिलाफ हुए सैयद मुश्ताक अली क्रिकेट टूर्नामेंट के मैच में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। उनादकट इस मैच में दिल्ली के कप्तान नितीश राणा का विकेट लेते ही मुश्ताक अली ट्रॉफी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ बन गये। उनादकट के नाम अब 121 विकेट हो गये हैं और उन्होंने पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज़ सिद्धार्थ कौल 120 विकेट को पीछे छोड़ दिया है। सिद्धार्थ ने 12 साल में 87 मैच खेलकर 120 विकेट लिए थे। वहीं, उनादकट ने अपने 83वें मैच में ही ये रिकॉर्ड तोड़ दिया। अब उनके नाम 121 विकेट हो चुके हैं। गौरतलब है कि इस टूर्नामेंट के इतिहास में अब तक 100 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ों की संख्या केवल छह है। उनादकट और कौल के अलावा सूची में पियूष चावला 113 विकेट, लुकमान मेरिवाला 108 विकेट, चामा मिलिंद107 विकेट, आकाश चौधरी 102 विकेट हैं। मैच की बात करें तो दिल्ली ने चार विकेट पर 207 रन बनाये। इसो बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए सौराष्ट्र 198 रन ही बना पायी और उसे हार का सामना करना पड़ा।

विराट, रोहित के भविष्य पर अभी बात करने की जरुरत नहीं : कोटक

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने कहा है कि बल्लेबाज रोहत शर्मा और विराट कोहली अभी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और इनके भविष्य के बारे में अभी बात करने की कोई जरुरत नहीं है। विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले ही एकदिवसीय मैच में 135 जबकि रोहित ने 57 रन बनाये थे। हाल के समय में इन दोनो के ही करियर और 2027 एकदिवसीय विश्वकप में खेलने को लेकर आशंकाएं जाहिर की जाती रही हैं। माना जा रहा है कि ये दोनो ही विश्वकप के लिए टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं हैं। वहीं कोटक ने इसी को लेकर कहा, 'मुझे नहीं पता कि हमें इन सब चीजों पर ध्यान देने की जरूरत क्यों है। विराट वाकई शानदार बल्लेबाजी कर रहे हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके भविष्य को लेकर कोई बात करनी चाहिए। जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहे हैं, वह कमाल है। जिस तरह से वह प्रदर्शन कर रहे हैं, अपनी फिटनेस बनाए रखते हैं, किसी भी चीज पर कोई सवाल नहीं उठता।' कोटक ने साथ ही कहा, 'पहले एकदिवसीय में उनकी पारी शानदार थी। उन्होंने सिर्फ एकदिवसीय बल्कि सभी प्रारुपों में अच्छा प्रदर्शन किया है। यह उनका 52वां एकदिवसीय शतक था, वह वाकई शानदार खिलाड़ी हैं. उन्होंने जिम्मेदारी ली और जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह बहुत अच्छा था।' कोहली ने मैच के बाद कहा, 'मैंने 300 से ज्यादा एकदिवसीय मैच खेले हैं और पिछले 15-16 सालों में काफी क्रिकेट खेली है। जैसा कि मैंने कहा, अगर आप खेल के संपर्क में हैं और जब आप प्रैक्टिस में गेंदें मार रहे हैं, आपके रिफ्लेक्सेस हैं, आपकी शारीरिक क्षमता है लंबी बल्लेबाजी करने की।' वहीं रोहित ने भी पहले ही मैच में जबरदस्त शुरुआत दी।

एफआईएच जूनियर विश्व कप : स्विट्ज़रलैंड के खिलाफ कमजोरियां दूर करना चाहेगा भारत

मदुरै (एजेंसी)। भारतीय टीम बेहतरीन फार्म में चल रही है लेकिन अभी तक उसे असली चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा है और ऐसे में वह मंगलवार को यहां एफआईएच जूनियर पुरुष विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट के नाकआउट चरण से पहले अपने अंतिम ग्रुप लीग मुकाबले में स्विट्जरलैंड के खिलाफ जीत की लय जारी रखने और अपने कमजोर पक्षों को दूर करने की कोशिश करेगी।

भारत और स्विट्जरलैंड दोनों ही पूल बी में दो-दो मैच जीतकर अजेय हैं, लेकिन भारतीय टीम बेहतर गोल अंतर के आधार पर तालिका में शीर्ष पर है। चेन्नई में पहले दो मैच में भारतीय टीम ने गोल की बरसात करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उसने पहले मैच में चिली को 7-0 से और फिर ओमान को 17-0 से हराया। दूसरी ओर स्विट्जरलैंड ने ओमान को 4-0 से हराया और फिर चिली पर 3-2 से जीत हासिल की।

भारतीय टीम से उम्मीद की जा रही है कि वह अपना विजय अभियान जारी रखकर नॉकआउट से पहले बड़ी जीत हासिल करने की कोशिश करेगी। लेकिन नॉकआउट चरण से पहले भारत के लिए कुछ चिंताएं बनी हुई हैं। पहले दो मैचों में भारतीय रक्षापंक्ति की ज्यादा परीक्षा नहीं हुई क्योंकि गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह को किसी तरह की खास चुनौती का सामना नहीं करना पड़ा।

कप्तान रोहित की अगुवाई में रक्षापंक्ति भी टूर्नामेंट के अंतिम चरण में अधिक सक्रिय रहना चाहेगी। भारत के लिए चिंता का एक अन्य क्षेत्र पेनल्टी कॉर्नर पर गोल नहीं कर पाना है। टीम के मुख्य ड्रैगफ्लिकर कप्तान रोहित को अपने खेल में सुधार करना होगा। ऐसा नहीं है कि भारत ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल नहीं किए, लेकिन अधिकतर गोल वैरिएशन और रिबाउंड से किए गए।

पहले दो मैचों में भारत के प्रदर्शन के लिए सबसे उत्साहजनक पहलू उसकी मध्य पंक्ति और अग्रिम पंक्ति का प्रदर्शन रहा। दिलराज सिंह अभी तक छह गोल करके टूर्नामेंट के संयुक्त रूप से शीर्ष स्कोरर हैं। उन्होंने ओमान के खिलाफ हैट्रिक भी लगाई थी जबकि अर्शदीप सिंह ने भी पिछले मैच में तीन गोल किए थे। मनमीत सिंह, अजीत यादव और इंगलेम्बा लुवांग थोरावोजम जैसे खिलाड़ी भी गोल करने वालों में शामिल हैं। स्विट्जरलैंड के खिलाफ मैच मदुरै में भारत का एकमात्र मैच है। इसके बाद वह अपने बाकी मैच खेलने के लिए चेन्नई लौटेगा।

यह देखना अभी बाकी है कि भारतीय खिलाड़ी यहां की परिस्थितियों के साथ किस तरह तालमेल बिठा पाते हैं। भारत के सहायक कोच बीरेंद्र लाकड़ा इसको लेकर ज्यादा परेशान नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'निश्चित रूप से मैदान बदलेगा, लेकिन मौसम की स्थिति वही रहेगी। हमें अभ्यास और सामंजस्य बिठाने के लिए दो दिन का समय भी मिला है। स्विट्ज़रलैंड एक अच्छी टीम है। उसने अपने दो मैच भी जीते हैं, इसलिए यह मुकाबला आसान नहीं होगा। लेकिन हम उनके खेल का विश्लेषण करेंगे और उसी तरह से अपनी रणनीति बनाएंगे।'

मंगलवार को अन्य मैचों में स्पेन का मुकाबला नामीबिया से (मदुरै में), बेल्जियम का मिस्र से (मदुरै में), चिली का ओमान से (चेन्नई में), नीदरलैंड का ऑस्ट्रिया से (मदुरै में), फ्रांस का बांग्लादेश से (चेन्नई में), इंग्लैंड का मलेशिया से (मदुरै में) और ऑस्ट्रेलिया का कोरिया से (चेन्नई में) होगा।

बीसीसीआई ने बुधवार को बुलायी अहम बैठक , गंभीर और अगरकर सहित प्रबंधन को बुलाया गया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट नियंत्रण (बीसीसीआई) ने बुधवार को रायपुर में एक बैठक बुलाई है। इसमें टीम इंडिया के मुख्य कोच गौतम गंभीर और मुख्य चयनकर्ता अजीत अगरकर सहित टीम प्रबंधन को बुलाया गया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बैठक में बोर्ड गंभीर और अगरकर से टेस्ट क्रिकेट की रणनीति, टीम चयन और प्रबंधन के सीनियर खिलाड़ियों के साथ संबंधों को लेकर जवाब मांगेगा। बैठक में रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे सीनियर खिलाड़ियों के साथ टीम मैनेजमेंट के रवैये और संवाद पर भी सफाई मांगी जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक बैठक में बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया, संयुक्त सचिव प्रभतेज सिंह भाटिया, हेड कोच गौतम गंभीर और राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर शामिल होंगे। अभी यह साफ नहीं है कि बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास बैठक में शामिल होंगे या नहीं। बीसीसीआई के एक बड़े अधिकारी के मुताबिक बैठक का उद्देश्य चयनकर्ताओं और टीम प्रबंधन ट के बीच सामंजस्य बनाना है। चयन में निरंतरता और टीम के प्रदर्शन को बेहतर बनाना है। अधिकारी ने स्वीकार किया कि टेस्ट फॉर्मेट में हाल में हुईं चीजों से बोर्ड चिंतित है। उन्होंने कहा, होम टेस्ट सीजन के दौरान मैदान और मैदान से बाहर की रणनीतियों पर संशय देखा गया। हम स्पष्टता और फॉरवर्ड प्लानिंग चाहते हैं, खासकर तब जब अगल टेस्ट सीरीज 8 महीने बाद है। बैठक में चर्चा सिर्फ टेस्ट क्रिकेट से जुड़े मसलों पर नहीं होगी। अधिकार ने माना कि मौजूदा टीम मैनेजमेंट जिस तरह से सीमित ओवरों के सीनियर खिलाड़ियों के साथ पेश आ रही है, उससे बेचैनी बढ़ी है।

रोहित-कोहली की चमक में फीका पड़ा कुलदीप यादव का विश्व रिकॉर्ड, शेन वार्न को पीछे छोड़ा

रांची (एजेंसी)। रांची में भारतीय टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज की शानदार शुरुआत की, जहां विराट कोहली की ऐतिहासिक सेंचुरी और रोहित शर्मा की दमदार अर्धशतकीय पारी ने सुर्खियां बटोरीं। लेकिन रोहित-कोहली की चमक के बीच टीम इंडिया के स्टार स्पिनर कुलदीप यादव के विश्व रिकॉर्ड पर किसी का ध्यान नहीं गया। रांची में खेले गए पहले मुकाबले में कुलदीप ने न सिर्फ 4 अहम विकेट चटकाए, बल्कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार चार विकेट लेने वाला स्पिनर बनकर महान शेन वार्न को भी पीछे छोड़ दिया। उनका यह स्पेल भारत की जीत में निर्णायक साबित हुआ।

रांची में कुलदीप की घातक गेंदबाजी से पलटा मुकाबला

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए हाई-स्कोरिंग मुकाबले में कुलदीप यादव ने अपने अनुभव और कौशल का बेहतरीन उदाहरण पेश किया। दक्षिण अफ्रीका जब तेज़ गति से रन बना रही थी, तब कुलदीप ने 10 ओवर में 68 रन देकर 4 महत्वपूर्ण विकेट झटके। उनकी गेंदबाजी की खासियत यह रही कि उन्होंने विपक्षी बल्लेबाजों पर लगातार दबाव बनाकर रनगति को नियंत्रित किया। उन्होंने पहले टोनी डी जॉर्जी (39) को आउट कर साझेदारी तोड़ी, इसके बाद मार्को यानसेन और मैथ्यू ब्रीट्ज़के जैसे दो खतरनाक बल्लेबाजों को सिर्फ तीन गेंदों के अंदर पवेलियन भेज दिया।

यानसेन-ब्रीट्ज़के की साझेदारी पर लगा ब्रेक

साउथ अफ्रीका के दो युवा बल्लेबाज यानसेन और ब्रीट्ज़के ने छठे विकेट के लिए 68 गेंदों में 97 रन जोड़कर भारतीय गेंदबाजी पर दबाव बढ़ा दिया था। यानसेन ने 39 गेंदों में 70 रन और ब्रीट्ज़के ने 80 गेंदों में 72 रन की पारी खेलकर मैच का रुख बदलने की कोशिश की। तभी कुलदीप ने शानदार वापसी करते हुए पहले यानसेन को आउट किया, फिर अगली ही गेंद पर ब्रीट्ज़के को भी चलता किया। उनके इन दो लगातार झटकों ने दक्षिण अफ्रीका की रन गति ठंडी कर दी और भारत मैच में पूरी तरह वापसी कर गया।

शेन वार्न को पछाड़कर बनाया नया रिकॉर्ड

कुलदीप यादव ने वनडे इतिहास में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सबसे ज्यादा बार 4 विकेट लेने वाले स्पिनर बनने का बड़ा कारनामा कर दिखाया है। यह उनका दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चौथा मैच था जब उन्होंने चार विकेट झटके :

2018 - केपटाउन
2018 - गकेरहा
2022 - दिल्ली (अरुण जेटली स्टेडियम)
2024 - रांची

इससे पहले यह रिकॉर्ड शेन वार्न और युजवेंद्र चहल के नाम संयुक्त रूप से था। कुलदीप ने इस उपलब्धि से वह जगह हासिल कर ली जहां पहुंचना किसी भी स्पिनर के लिए गर्व की बात है।

अंतरराष्ट्रीय सूची में भी बढ़ी कुलदीप की दावेदारी

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यह रिकॉर्ड बनाने के साथ ही कुलदीप अब दुनिया के दिग्गज गेंदबाजों की सूची में भी आगे पहुंचते जा रहे हैं। वे अब लसिथ मलिंगा के बराबर पहुंच गए हैं, वहीं उनसे ऊपर सिर्फ ब्रेट ली और वकार यूनुस जैसे महान तेज गेंदबाज मौजूद हैं। यह कुलदीप की वनडे में 10वीं बार चार विकेट वाली परफॉर्मेंस थी, जिससे वे अनिल कुंबले के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर आ गए हैं। तेज गेंदबाजों में सिर्फ अजीत अगरकर (12) और मोहम्मद शमी (16) उनसे ऊपर हैं।

भारत के लिए क्यों खास है कुलदीप का यह प्रदर्शन

कुलदीप यादव की यह उपलब्धि साबित करती है कि वे भारत के सबसे भरोसेमंद मैच-विनिंग स्पिनरों में से एक बन चुके हैं। दक्षिण अफ्रीका जैसे मजबूत विपक्ष के खिलाफ लगातार प्रभावी प्रदर्शन करना उनकी निरंतरता और क्लास दोनों को दर्शाता है। उनका यह रिकॉर्ड न सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि है बल्कि भारतीय स्पिन विभाग की ताकत का भी प्रतीक है।

मार्करम ने हार के बाद भी अपनी टीम के जुझारु रवैये को सराहा, खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया

रांची। पहले एकदिवसीय में दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम की कप्तानी संभालने वाले एडन मार्करम ने भारतीय टीम के हाथों मिली हार के बाद भी अपनी टीम के प्रदर्शन की तारीफ की है। मार्करम ने कहा है कि उन्हें अपनी टीम पर गर्व है क्योंकि उसने 350 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा काफी अच्छे से किया। शुरुआत में ही 11 रनों पर तीन विकेट गंवाने के बाद भी टीम ने 332 रन बनाये और वह लक्ष्य से केवल 18 रन ही दूर थी। इस दौरान एक समय लग रहा था कि वह लक्ष्य हासिल कर लेगी। मैच के बाद एडन मार्करम ने कहा कि उन्हें अपनी इस टीम पर गर्व है। उन्होंने इस दौरान विशेष रुप से दो खिलाड़ियों के प्रदर्शन की जमकर सराहना की। मार्करम ने कहा, हां उन्हें इन खिलाड़ियों पर गर्व है। इनकों अपना काम करते देखना बहुत अच्छा लगता है। इन्होंने कभी भी यह भरोसा नहीं खोया कि हम लक्ष्य नहीं पा सकते हैं।जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ रही थीं, वे काफी उम्मीद लगाए हुए थे। शीर्ष क्रम हालांकि असफल रहा। हमें पता था कि गेंद स्विंग करेगी और फिर लक्ष्य का पीछा करते समय गेंद विकेट से थोड़ी तेजी आएगी, लेकिन फिर भी ऐसा लगा कि लक्ष्य का पीछा करना ही गेम जीतने का सबसे अच्छा तरीका है। अगले गेम में शीर्ष क्रम पर जिम्मेदारी रहेगी। मध्यक्रम पहले ही अच्छा प्रदर्शन कर सकता है।कुल मिलाकर, लड़कों की कोशिशों पर बहुत गर्व है। वे बहुत करीब पहुंच गए और उन्होंने जबरदस्त खेल दिखाया। कप्तान ने मार्को यान्सन और कॉर्बिन बॉश की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह बहुत बढ़िया है। कोई भी टीम जितना हो सके उतनी अच्छी बल्लेबाजी करना चाहेगी और वे हमारे लिए ठीक यही करते हैं।

धर्मेंद्र को याद कर भावुक हुए शत्रुघ्न

बॉलीवुड के महान अभिनेता धर्मेंद्र के निधन ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री और देशभर के प्रशंसकों को गहरे शोक में डाल दिया है। उनके जाने के बाद साथी कलाकार लगातार भावनात्मक पोस्ट के जरिए उन्हें याद कर रहे हैं। इसी क्रम में दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा हाल ही में धर्मेंद्र के घर पहुंचे और उनके बेटों सनी देओल व बॉबी देओल से मुलाकात की। सिन्हा ने अपने एक्स अकाउंट पर कई थ्रोबैक तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि दिल्ली से लौटने के बाद वह भारी मन से धर्मेंद्र के घर पहुंचे। वहां सनी, बॉबी, उनकी पत्नी तान्या और पोते धरम व आर्यमन से मिलना बेहद भावुक अनुभव रहा। उन्होंने लिखा कि धर्मेंद्र न सिर्फ एक महान कलाकार थे, बल्कि अद्भुत इंसान थे, जिनकी यादें हमेशा जीवित रहेंगी। उन्होंने दिवंगत अभिनेता की आत्मा की शांति और परिवार के साहस के लिए प्रार्थना की। धर्मेंद्र और शत्रुघ्न सिन्हा की दोस्ती वर्षों पुरानी थी और दोनों ने 'दोस्त', 'कयामत', 'लोहा', 'आग ही आग' और 'गंगा तेरे देश में' जैसी कई हिट फिल्मों में साथ काम किया। धर्मेंद्र का जाना हिन्दी सिनेमा के लिए बड़ी क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं। उनके योगदान और उनकी सरलता को हमेशा याद किया जाएगा।

धर्मेंद्र के घर पर आईसीयू जैसी व्यवस्था थी: मुकेश खन्ना

अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र के घर पर आखिरी दिनों की स्थिति कैसी थी, इसे लेकर अब अभिनेता मुकेश खन्ना ने बड़ा खुलासा किया है। एक वीडियो में मुकेश खन्ना ने बताया कि उन्होंने हाल ही में धर्मेंद्र से मुलाकात की थी और उनके घर पर ही अस्पताल जैसा पूरा सेटअप तैयार किया गया था।

मुकेश खन्ना ने कहा कि हॉस्पिटल से वापस घर आने के बाद वह लगभग पांच-छह दिन पहले उनसे मिलने गए थे। उन्होंने बताया, 'घर पर आईसीयू जैसी व्यवस्था थी। मुझे पता था कि उनसे ठीक से बातचीत नहीं हो पाएगी, लेकिन जाना जरूरी लगा।' उन्होंने बताया कि उस दौरान वह सनी देओल और बॉबी देओल से भी मिले और उन्हें हिम्मत बंधाई। मुकेश कहते हैं, 'मैंने उनसे कहा, 'वह बहुत स्ट्रॉन्ग हैं, जल्दी ठीक हो जाएंगे।' लेकिन आखिर वही होता है जो ईश्वर को मंजूर होता है। लोग शॉक में थे, क्योंकि सबको लगा था कि इतनी मजबूत काया वाले धर्मेंद्र रिकवर हो जाएंगे। उनके शरीर ने साथ छोड़ दिया, लेकिन उनकी आत्मा बहुत अच्छी थी। संस्मरण रह जाते हैं, आत्मा चली जाती है।'

उन्होंने भावुक होकर कहा कि धर्मेंद्र ने एक शानदार जिंदगी जी और उनकी सादगी तथा विनम्रता ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी थी। अपने अनुभव साझा करते हुए उन्होंने बताया कि वे धर्मेंद्र के साथ छह फिल्मों में काम कर चुके हैं, जिनमें 'तहलका' भी शामिल है। उन्होंने कहा कि आखिरी महीनों में भी धर्मेंद्र के चेहरे की सकारात्मकता और मुस्कान कभी कम नहीं हुई।

गौरतलब है कि धर्मेंद्र का 8 दिसंबर को जन्मदिन होता है और वे इस साल 90 साल के होने वाले थे। परिवार उनकी जन्मदिन की तैयारियां कर रहा था, लेकिन अक्टूबर से उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और नवंबर में उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया। 24 नवंबर को उनका निधन हो गया।

भावनाओं तक पहुंच पाना कलाकारों के अस्तित्व के लिए विकल्प नहीं, ज़रूरत है : कुब्रा सैत

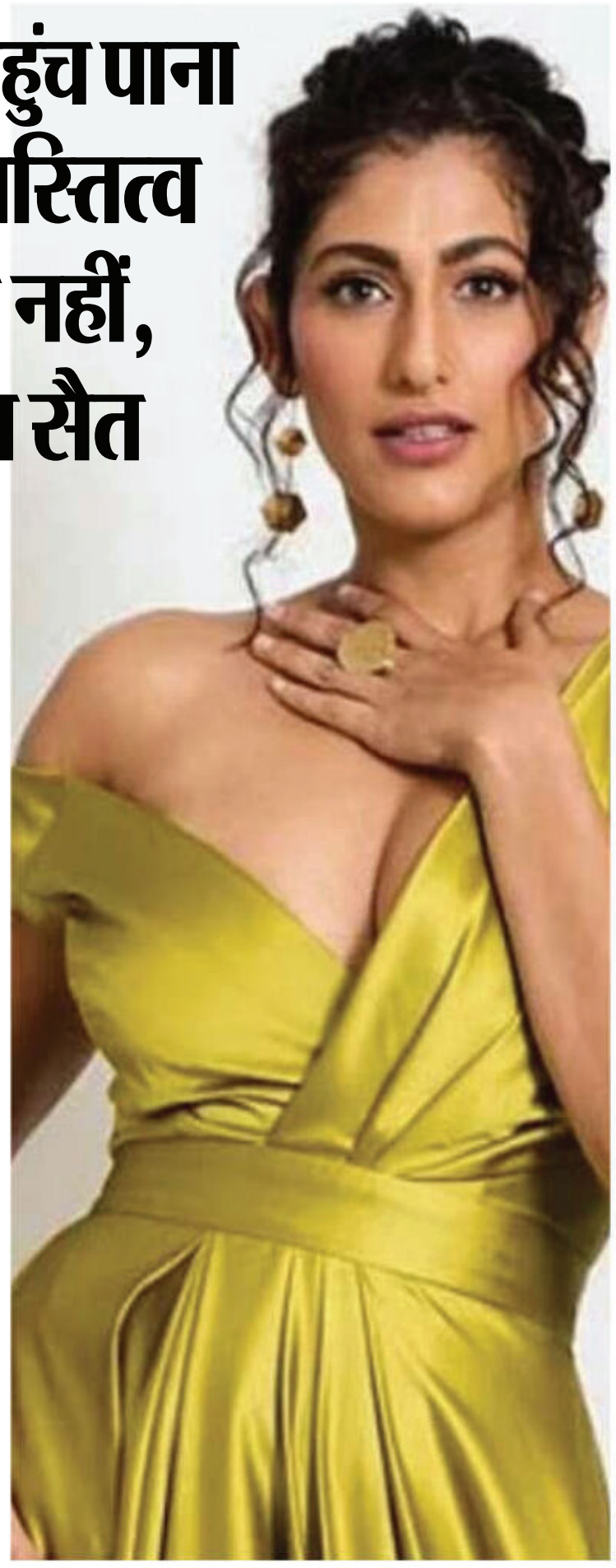

बॉलीवुड अभिनेत्री कुब्रा सैत का कहना है कि यदि कलाकार अपनी भावनाओं तक पहुंचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो वे कलाकार बन ही नहीं सकते है। कुब्रा सैत हमेशा उस अंदरूनी दुनिया के बारे में बेबाकी से बात करती हैं, जो उनके अभिनय को आकार देती है। अपनी परफॉर्मेंसेज़ और जटिल किरदारों में पूरा ढल जाने की क्षमता के लिए जानी जाने वाली कुब्रा अक्सर उस भावनात्मक अनुशासन पर बात करती हैं, जिसकी मांग एक्टिंग करती है। इस व्यक्तिगत अनुभव में, वह उस पल को याद करती हैं जब उन्होंने सच में समझा कि अपनी जिम्मेदारी के साथ, साहस के साथ, और पूरी सजगता के साथ भावनाओं तक पहुँचना क्या होता है। उनके सफर की शुरुआत में मिली यह सीख आज भी यह उन्हें स्क्रीन के साथ जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। कुब्रा सैत ने इस सिलसिले में अपनी बात रखते हुए कहा, 'एक कलाकार के तौर पर मैंने सीखा कि यदि आप अपनी भावनाओं तक पहुँचने के लिए तैयार नहीं हैं, तो आप कलाकार बन ही नहीं सकते। हालांकि यह भी हो सकता है कि उन भावनाओं तक पहुंचने के लिए जो रास्ता आप अपनाते हैं, वह बहुत खतरनाक हो, लेकिन आपको आगे बढ़ना ही होगा। मुझे याद है, मैंने यह बात अपने एक निर्देशक अनुराग कश्यप से सीखी। पहली बार मुझे कैमरे पर रोना था, और मुझे नहीं पता था कि मैं ये कैसे करूँगी। यह डर मेरे दिमाग में घर कर चुका था, तभी उन्होंने मेरी तरफ देखा और कहा, 'हम यहाँ बैठेंगे, लाइनें पढ़ेंगे और बस खुद के साथ रहेंगे। हम तुम्हारे अंदर की उस खिड़की को खोलेंगे, जिससे भावनाएँ भीतर आ सकें। और आज रात जाने से पहले हम उस खिड़की को फिर बंद भी करेंगे।' यह बात मेरे भीतर बस गई।'

कुब्रा सैत ने कहा, 'हम सभी के भीतर वह खिड़की होती है, जो हमारी भावनाओं की दुनिया तक पहुँचने का एक रास्ता होती है। उसे खोलने और बंद करने की क्षमता ही हमें संतुलित रखती है और हमें ज़िंदा रखती है। हालांकि अभिनय के बाहर, असल ज़िंदगी में, दुनिया हमेशा इतनी माइंडफुल नहीं होती इसलिए कभी-कभी खिड़की की बजाय पूरी बाँध खुल जाती है और हमारी भावनाएँ हम पर हावी हो जाती हैं। आज की भागदौड़ भरी दुनिया में हम अक्सर अपने ही विचारों और अपने ही एक्सप्रेशंस में उलझ जाते हैं और हर चीज़ को 'ट्रिगर' कहने लगते हैं, जबकि कई बार हम बस चिढ़े हुए या परेशान होते हैं। यही ट्रिगर हमें हमारे अतीत में खींच ले जाता है, लेकिन चिढ़ और परेशानी वर्तमान की होती है। इस फर्क को समझते हुए मैंने अपने भीतर की उस खिड़की को पहचाना और इसीने मुझे एक एक्टर के तौर पर बचाया, एक इंसान के तौर पर मुझे ज़मीन से जोड़े रखा।'

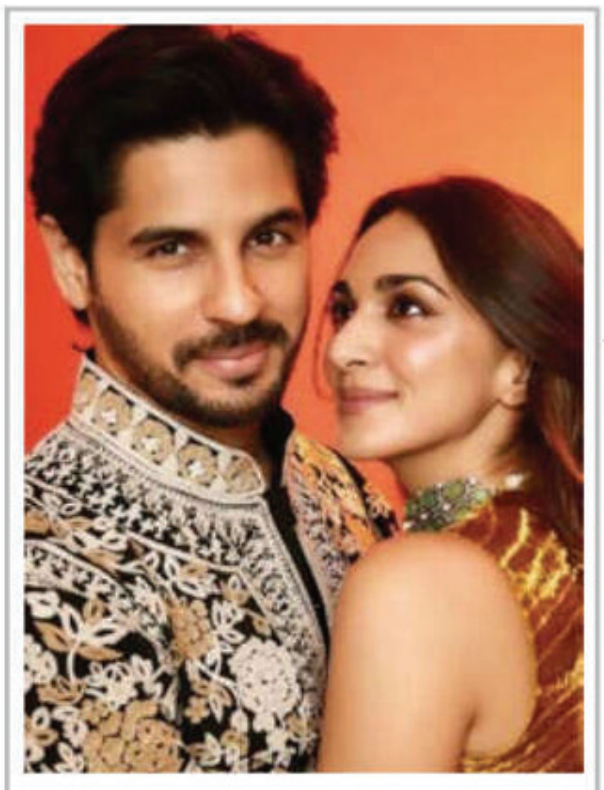

बेटी का नाम उजागर कर भावुक हुए कियारा-सिद्धार्थ

हाल ही में बॉलीवुड के हॉट कपल कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा अपने नन्हीं परी का नाम उजागर करते हुए भावुक होते नजर आए। इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'हमारी दुआओं से निकलकर हमारी बाहों में आने वालीज्हमारा आशीर्वाद, हमारी नन्ही राजकुमारी सरायाह मल्होत्रा।'

यह पोस्ट आते ही सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी और फैंस व सेलेब्स ने कमेंट कर ढेर सारा प्यार और आशीर्वाद दिया। सरायाह नाम का अर्थ भी उतना ही खूबसूरत है, जितना इसका उच्चारण। दुनिया भर की कई संस्कृतियों में यह नाम अलग-अलग अर्थों में लिया जाता है, लेकिन सबसे लोकप्रिय अर्थ हिब्रू भाषा से आता है, जहां सरायाह का मतलब होता है ईश्वर का मार्गदर्शन या ईश्वर का शासन। इसका संकेत है उन बच्चों से, जिन पर भगवान की विशेष कृपा बनी रहती है और जो अपने जीवन में एक सकारात्मक दिशा लेकर चलते हैं। माता-पिता के मुताबिक यह नाम उनके लिए सिर्फ एक पहचान नहीं बल्कि एक भावनात्मक आशीर्वाद है। कियारा और सिद्धार्थ के इस पोस्ट पर लाखों लाइक्स और अनगिनत कमेंट्स आए। लोग बेटी के नाम की खूब तारीफ कर रहे हैं और उन्हें ढेरों शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक फैन ने लिखा, 'क्या प्यारा नाम चुना है, भगवान सरायाह को हमेशा खुश रखें।' वहीं कई लोगों ने यह लिखा कि नाम सुनते ही उनकी आंखें भर आईं और दिल खुश हो गया। बता दें कि कियारा और सिद्धार्थ ने अपने पैरेंट्स बनने की खुशखबरी 15 जुलाई को साझा की थी। उस समय उन्होंने लिखा था, 'हमारा दिल खुशी से झूम रहा है। हमारी दुनिया हमेशा के लिए बदल गई है। हमें बेटी के मां-बाप होने का आशीर्वाद मिला है।' यह पोस्ट भी उस समय सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था, जिससे उनके फैंस बेहद खुश हुए थे। कियारा और सिद्धार्थ की शादी 7 फरवरी 2023 को राजस्थान के भव्य सूर्यगढ़ पैलेस में हुई थी। कई दिनों तक चलने वाले इस सेलिब्रेशन में उनके करीबी दोस्त, परिवार और कई बॉलीवुड सितारे शामिल हुए थे। बता दें कि बॉलीवुड की लोकप्रिय जोड़ी कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने अपनी बेटी को लंबे इंतजार के दुनिया से परिचित कराया, हालांकि उन्होंने तस्वीर में बेटी का चेहरा नहीं दिखाया।

इंडस्ट्री में लंबा टिकना है तो लुक्स नहीं, अभिनय पर काम करो: शाहिद कपूर

अभिनेता शाहिद कपूर ने 15वें इंडियन फिल्म प्रोजेक्ट (आईएफपी) समारोह में शिरकत की। समारोह में बातचीत के दौरान अभिनेता ने अपनी जिंदगी के कई अनसुने पहलू और मनपसंद गानों के बारे में बात की। समारोह में मौजूद लोगों ने जब शाहिद से उनके मनपसंद गाने के बारे में पूछा, तो उन्होंने बताया कि अब तक का उनका पसंदीदा गाना फिल्म 'हैदर' का गाना 'बिस्मिल्ला' है। उन्होंने इस गाने के बारे में बताते हुए कहा कि ये गाना फिल्म की खूबसूरती से जुड़ा है, जिसे करके उन्हें बहुत अच्छा लगा। इसके बाद उन्होंने डांसिंग सॉन्ग के बारे में कहा, 'मुझे डांसिंग सॉन्ग में 'मौजा ही मौजा,' 'नगाड़ा,' 'ढटिंग नाच,' 'साड़ी के फॉल सा,' और 'तेरी बातों में उलझा जिया' समेत कई गाने पसंद हैं। असल में मुझे डांस करना बहुत अच्छा लगता है, लेकिन काफी समय से मैंने डांस नहीं किया है। मेरे कई सारे कोरियोग्राफर दोस्त हैं, जो कि कहते हैं अब डांस क्यों नहीं करता है, और मैं उनसे मजाक में कहता हूं, तुम्हें आता है तो तुम कर लो!' अभिनेता ने आगे कहा कि आप हर किरदार में डांस नहीं कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'किरदार के हिसाब से काम करना जरूरी है। अब किसी डॉक्टर का किरदार है तो वो डांस क्यों ही करेगा? हालांकि कई डॉक्टर बहुत अच्छा डांस करते हैं।' शाहिद काफी लंबे समय से मनोरंजन जगत में काम कर रहे हैं और ज्यादातर प्रशंसक उन्हें उनके चार्मिंग लुक के लिए पसंद करते हैं। लुक्स को लेकर अभिनेता ने कहा, 'अगर इस इंडस्ट्री में लंबे समय तक दिखना है, तो आपको अपने अभिनय पर काम करना होगा, क्योंकि लुक्स, चार्म और स्टाइल से शुरुआती दिनों में काम चल सकता है, लेकिन आगे तक चलना है, तो अपने काम पर ध्यान दो। जब आप ईमानदारी से अपने किरदार में डूबते हैं तो आप अपने अंदर झांकते हैं और दबी हुई भावनाओं को बाहर निकालते हैं, तभी असली संतुष्टि मिलती है।' अभिनेता ने बताया कि वे बहुत संवेदनशील व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हर बात को गहराई से सोचता हूं। असल जिंदगी में भी हम अपने भाव छुपाते हैं, लेकिन अभिनय मेरे लिए वो रास्ता है, जहां पर मैं पूरी तरह से अपने अंदर की भावनाओं को खोलकर रख देता हूं।'

बंधिश बैंडिट्स सीज़न टू को बेस्ट वेब सीरीज पुरस्कार

56वें अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में प्राइम वीडियो ने अपनी लोकप्रिय हिंदी और तमिल वेब सीरीज के साथ धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराई। महोत्सव में आयोजित बेस्ट वेब सीरीज (ओटीटी) श्रेणी में बंधिश बैंडिट्स सीज़न टू को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार मिला। इस श्रेणी में प्राइम वीडियो की अन्य ओरिजिनल सीरीज जैसे पाताल लोक सीज़न टू और तमिल सीरीज सुझल-द वर्टेक्स सीज़न टू भी नामांकित थीं। यह पुरस्कार प्राइम वीडियो के लिए दूसरी बार हासिल किया गया सम्मान है; इससे पहले 2023 में पंचायत सीज़न टू को इसी श्रेणी में पुरस्कार मिला था। इस जीत ने भारत के तेजी से बढ़ते स्ट्रीमिंग इकोसिस्टम में प्राइम वीडियो की उत्कृष्टता को और मजबूत किया। पुरस्कार संजय जाजू, सूचना और प्रसारण मंत्रालय और डॉ. एल. मुरुगन, राज्य मंत्री, सूचना और प्रसारण द्वारा प्रदान किया गया। जूरी का नेतृत्व प्रसिद्ध फिल्म निर्माता भरतबाला गणपथी ने किया, जिसमें निर्माता, निर्देशक और अभिनेता शामिल थे। अमृतपाल सिंह बिंद्रा और आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित और लिखा गया यह सीज़न, संगीत, अभिव्यक्ति, प्रतियोगिता और प्रेम के जरिए व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा और विरासत की कहानी प्रस्तुत करता है।

ओटीटी ने दिया नए किरदारों का बड़ा मौका : मोना सिंह

छोटे परदे की मशहूर अभिनेत्री मोना सिंह आजकल ओटीटी जगत में खूब चमक रही हैं। खास बात यह है कि मोना, जिन्होंने अपने करियर की शुरुआत टीवी से की थी, अब छोटे पर्दे से पूरी तरह दूरी बना चुकी हैं। उनका कहना है कि उन्होंने सोच-समझकर यह फैसला लिया है और अब वह टीवी पर वापसी के लिए तैयार नहीं हैं। मोना का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म ने न सिर्फ कलाकारों, बल्कि दर्शकों के लिए भी नए रास्ते खोले हैं। उनके शब्दों में, 'जिस तरह की कहानियां आज ओटीटी पर दिखाई जा रही हैं, वो टीवी पर संभव ही नहीं है। टीवी पर बहुत सेंसरशिप और रेस्ट्रिक्शन होते हैं, जिसके कारण एक्टर के रूप में कॉम्पलेक्स और चैलेंजिंग किरदार निभाने का मौका नहीं मिलता।' वह मानती हैं कि ओटीटी प्लेटफॉर्म ने एक्टर्स, राइटर्स और क्रिएटर्स को वह स्पेस दिया है जिसकी हमेशा से जरूरत थी। मोना ने यह भी बताया कि ओटीटी प्रोजेक्ट्स का वर्किंग स्ट्रक्चर काफी बेहतर है। 'तीन महीने में एक वेब शो करके आप ब्रेक ले सकते हैं और फिर ताजगी के साथ नए किरदार की तैयारी कर सकते हैं। यह मेरे लिए बेस्ट बैलेंस है। टीवी पर टाइमलाइन्स बहुत क्रेजी होती हैं, खासकर जब शो रोज प्रसारित होते हैं।

पहले सोमवार से गुरुवार तक एपिसोड आते थे, लेकिन अब पूरे हफ्ते। ऐसे में पता नहीं चलता कि पर्सनल लाइफ बचती भी है या नहीं,' मोना ने हंसते हुए कहा। टीवी को अलविदा कहने के अपने फैसले पर मोना काफी स्पष्ट हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने टीवी से पूरी इज्जत के साथ विदा ली है। वहां मेरे लिए अब कुछ नया बचा ही नहीं है। मैंने सब कुछ कर लिया डेली सोप, रिएलिटी शो, होस्टिंग। मुझे जिन तरह के रोल चाहिए थे, उनके लिए मैंने लंबे समय तक इंतजार किया और अब वही मिल रहा है।' उन्होंने आगे बताया कि अगले साल उनकी तीन फिल्में रिलीज होने वाली हैं और वह फिल्मों और ओटीटी के बीच संतुलन बनाकर बहुत खुश हैं।

संक्षिप्त समाचार

रूस के ऑयल टैंकर 'विराट' और 'कैरोस' पर ड्रोन अटैक

कीव/ मास्को। रूस के दो ऑयल शिप (टैंकरों) पर शनिवार को ब्लैक सी में पानी के अंदर चलने वाले ड्रोन (सी बेबी) ने अटैक किया। यूक्रेन ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। दोनों शिप रूस की 'शैडो फ्लीट' का हिस्सा माने जाते हैं। यह प्रतिबंधों से बचने के लिए अलग-अलग देशों के झंडे लगाकर रूसी तेल ढोते थे। पहले शिप 'विराट' पर शुक्रवार को धमाका हुआ था। शनिवार को उस पर फिर से हमला हुआ। तुर्किये ने बताया कि जहाज को हल्का नुकसान हुआ है, लेकिन सभी लोग सुरक्षित हैं। जहाज तुर्किये तट से लगभग 30 मील दूर था। दूसरे शिप का नाम 'कैरोस' है। हमले के बाद जहाज में आग लग गई थी। इसमें मौजूद 25 लोग सुरक्षित निकाल लिए गए। दोनों

जहाज गाम्बिया के झंडे लगाए हुए थे, लेकिन यह रूसी ऑयल ले जा रहे थे। हमले के समय विराट के चालक दल ने ओपन फ्रीक्वेंसी रेडियो पर मेडे कॉल किया था, जिसमें वे बार-बार बोल रहा था, "यह विराट है। मदद चाहिए! ड्रोन हमला! मेडे, मेडे, मेडे!' यूक्रेन की सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, यह ऑपरेशन SBU और नौसेना ने मिलकर किया और दोनों जहाजों को इतना नुकसान हुआ है कि वे अब इस्तेमाल लायक नहीं बचे। उनका दावा है कि इससे रूस की तेल सप्लाई पर बड़ा असर पड़ेगा। रूस की ओर से इस पर अभी कोई बयान नहीं दिया गया है। वहीं, CNN ने सूत्रों के हवाले से बताया कि, यह दोनों हमले पूरी तरह प्लानड थे और इनमें अंडरवाटर और सरफेस ड्रोन्स का इस्तेमाल किया गया। हमले के बाद जहाज में आग लग गई थी।

ब्रिटेन में भारतीय छात्र की चाकू मारकर हत्या, झगड़े के बाद हमले का शक

लंदन। ब्रिटेन में 30 साल के भारतीय छात्र विजय कुमार की चाकू मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। वह हरियाणा के चरखी दादरी जिले का रहने वाला था। परिवार ने भारत सरकार से तुरंत मदद, निष्पक्ष जांच और शव को जल्द से जल्द भारत लाने की गुहार लगाई है। यह दर्दनाक घटना 15 नवंबर की रात वॉर्सेस्टर शहर के बारबॉर्न रोड पर हुई। विजय कुमार को गंभीर चोटों के साथ सड़क पर पड़ा पाया गया था। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, लेकिन कुछ देर बाद उन्होंने दम तोड़ दिया। शुरुआती पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, हत्या से पहले

किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद उन पर चाकू से कई वार किए गए। हालांकि, अभी तक हत्या का सही मकसद साफ नहीं हो सका है और ब्रिटिश पुलिस ने इस घटना के बारे में कोई डिटेल जारी नहीं की है। चरखी दादरी के विधायक सुनील सतपाल सांगवान ने सोशल मीडिया पर इस घटना की जानकारी शेयर करते हुए केंद्र और राज्य सरकार से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने लिखा, "हम सरकार से अपील करते हैं कि छात्र के शव को जल्द से जल्द भारत लाया जाए और दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिल सके।" परिवार का कहना है कि विजय बहुत होनहार और मेहनती छात्र था। विदेश में पढ़ाई का सपना पूरा करने गया उनका बेटा अब हमेशा के लिए खामोश हो गया।

अमेरिकी बार का ऑफर- अप्रवासियों को पकड़वाओ, अनलिमिटेड फ्री-बीयर पाओ

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के इडाहो राज्य के एक फेमस बार 'ओल्ड स्टेट सैलून' ने एक चौंकाने वाला ऑफर दिया है। बार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा, 'अगर कोई भी व्यक्ति अमेरिकी इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट (ICE) की मदद करके इडाहो में मौजूद किसी अवैध अप्रवासी (इमिग्रेंट) की पहचान करवाए और उसे अमेरिका से डिपोर्ट करवाने में सफल रहे, तो उसे पूरे एक महीने तक बार में अनलिमिटेड फ्री बीयर मिलेगी।' कई यूजर्स ने इसे गेम जैसा बताया। वहीं, कुछ ने विनर घोषित करने और लीडर बोर्ड बनाने की सलाह दी। कुछ यूजर्स ने तो जिंदगीभर फ्री बीयर देने की मांग तक कर दी। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इमिग्रेशन पॉलीसी को और सख्त कर दिया है। उन्होंने हाल ही में 'थर्ड वर्ल्ड कंट्रीज' से आने वाले शरणार्थियों को हमेशा के लिए रोक देने का ऐलान किया था। यह बार पहले भी विवादों में रहा है क्योंकि इसी ने पिछले साल जून महीने को "हेट्रोसेक्शुअल अवेयरनेस मंथ" घोषित किया था। बार ने कहा था कि इस महीने सिर्फ हेट्रोसेक्शुअल लोग ही विशेष ऑफर या छूट पाएंगे। जिसकी वजह से काफी विवाद हुआ था। इस पोस्ट को अमेरिकी गृह सुरक्षा मंत्रालय (DHS) की आधिकारिक हैंडल ने रीपोस्ट कर दिया और उसके साथ एक रिएक्शन GIF लगाया। GIF में 1991-94 के मशहूर अमेरिकी टीवी शो "डायनासोर" का मुख्य किरदार अर्ल सिंक्लेयर हैरान होकर अपने हाथ से बीयर का ग्लास गिराता हुआ दिखाया गया है। यानी सरकारी विभाग ने भी इस ऑफर पर हैरानी और हल्का-फुल्का मजाकिया अंदाज दिखाया। बार ने DHS के इस रिएक्शन का जवाब देते हुए लिखा "Love it!" यानी उन्हें यह बहुत पसंद आया।

एमपी के 12 शहरों में पारा 10° से नीचे

दिल्ली/भोपाल/जयपुर/शिमला/देहरादून। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी से मध्य प्रदेश में सर्दी फिर से बढ़ने लगी है। शनिवार को जबलपुर, ग्वालियर समेत राज्य के 12 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे पहुंच गया। इंदौर, भोपाल, उज्जैन समेत कई जिलों में सुबह कोहरा छाया रहा। राजस्थान में बीते 2 दिनों में हल्की बारिश के बाद भी सर्दी बढ़ गई है। भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, राजसमंद समेत 5 जिलों में रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। 1 दिसंबर से राज्य में शीतलहर का अलर्ट है। शेखावाटी और बीकानेर संभाग में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री तक जाने के आसार हैं। हिमाचल लंबे समय से बारिश-बर्फबारी का इंतजार कर रहे पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए अच्छी खबर है। मौसम विभाग ने 4 दिसंबर से प्रदेश के ऊपरी और मध्यम पहाड़ी क्षेत्रों में हल्की बारिश और बर्फबारी का अनुमान जताया है। हिमाचल प्रदेश में इस महीने अभी तक 93% कम बारिश हुई है जिससे सूखे जैसे हालात बनना शुरू हो गए हैं। वहीं, उत्तराखंड में शनिवार को बादल छाए रहे। पहाड़ी इलाकों का पाला गिर रहा है। केदारनाथ में तापमान माइनस 14°C और बद्रीनाथ में माइनस 10°C तक पहुंच गया।

चंडीगढ़ रोजगार्डन में मृत मिली महिला का पति इंजीनियर, 4 साल का बेटा, सीसीटीवी में अकेले दिखी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ स्थित रोज गार्डन के लेडीज बाथरूम में महिला दीक्षा ठाकुर (30) की लाश मिलने के मामले में पुलिस जांच में कई खुलासे हुए हैं। दीक्षा का पति IT इंजीनियर है। उनका 3 साल का बेटा भी है लेकिन एक साल से दीक्षा अपने पति से अलग रह रही थी। पुलिस को उसके डिप्रेशन की दवा लेने का भी पता चला है। इसके अलावा पुलिस को रोजगार्डन के आसपास के CCTV कैमरों में वह अकेले आती दिखी है। हालांकि रोजगार्डन में कैमरे न होने की वजह से अंदर उसे कौन मिला, इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। फिलहाल पुलिस ने इसे अब हत्या के साथ सुसाइड के एंगल से भी जांच कर रही है। इसके लिए मौके से मिले चाकू के फिंगर प्रिंट की जांच कराई जा रही है। इसके अलावा दीक्षा से मिले मोबाइल की कॉल डिटेल की भी जांच की जा रही है। दीक्षा अभी मोहाली के फेज-11 के PG में रहती थी। वह इंडस्ट्रियल एरिया में किसी न्यूज चैनल में काम करती थी। दीक्षा का आज सेक्टर 16 के अस्पताल में पोस्टमॉर्टम हुआ। इसके लिए 3 डॉक्टरों के मेडिकल बोर्ड का गठन किया गया था। पोस्टमॉर्टम पूरा होने के बाद शव को पति के साथ यूपी के सहारनपुर में ले जाने दिया गया। पुलिस ने इस मामले में दीक्षा के ऑफिस में भी पूछताछ की। इस दौरान उसके सहकर्मियों ने बताया कि वह शनिवार को ऑफिस आई थी। दोपहर करीब 2 बजे उसने कहा कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है। फिर वह घर जाने के बजाय रोजगार्डन चली गई। पुलिस ने जांच की तो उसके पर्स में डिप्रेशन की कुछ दवाईयां भी मिलीं। हालांकि वह पति से रिश्ते बिगड़ने या बेटे से अलग रहने की वजह से डिप्रेशन में थी या किसी दूसरी वजह से, इसके बारे में अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

बच्चे की बर्थडे पार्टी में गोलीबारी 4 लोगों की हुई मौत, 10 घायल

एजेंसी, वॉशिंगटन डीसी

कैलिफोर्निया के स्टॉकटन शहर के ल्यूसिल एवेन्यू इलाके में शनिवार रात को एक बैंक्वेट हॉल में अचानक गोलीबारी हो गई। इस हॉल में बच्चे की बर्थडे पार्टी चल रही थी। घटना में 4 लोगों की मौत हो गई जबकि 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। गोलीबारी की वजह और हमलावर के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। अधिकारियों के अनुसार, कुल 14 लोगों को गोली लगी थी, जिनमें से 4 ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने कहा, 'पहले हमें लगा कि बर्थडे पार्टी में पटाखे फूट रहे हैं। फिर पता चला कि गोलियां चल रही थीं।' शहर के उप-मेयर जेसन ली ने फेसबुक पर लिखा, 'आज

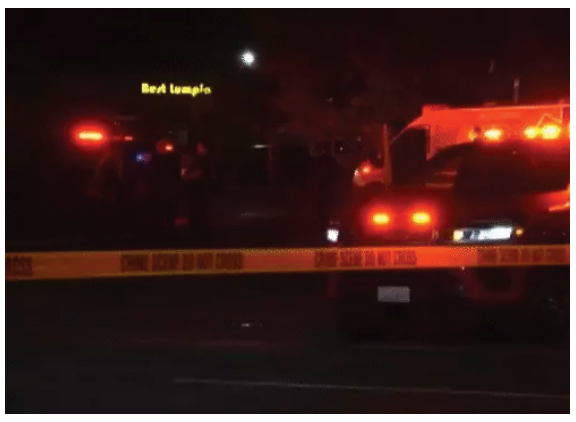

मेरा दिल बहुत भारी है। एक बच्चे के जन्मदिन की पार्टी में हुई इस सामूहिक गोलीबारी से मैं दुखी और गुस्से में हूं। हमारी कम्युनिटी को सच जानने का हक है और पीड़ित परिवारों को न्याय और हर संभव मदद मिलनी चाहिए।'

उप-मेयर बोले- जन्मदिन पार्टी में गोलीबारी डरावना है: उप-मेयर जेसन ली ने कहा, 'जन्मदिन की पार्टी कभी भी ऐसी जगह नहीं होनी चाहिए जहां परिवारों को अपनी जान का डर हो। यह डरावना है। एक नेता के रूप में अपने लोगों को इससे गुजरते देखना मुझे अंदर तक झकझोर देता है।' उन्होंने आगे कहा,'मैं कर्मचारियों और अधिकारियों के संपर्क में हूं

◆ लोग बोले- हमें लगा कि जश्न में पटाखे फूट रहे हैं

ताकि समझ सकूं कि क्या हुआ था, और मैं जवाब पाने की कोशिश करूंगा। आज रात, मैं उन परिवारों के लिए अपनी संवेदनाएं, प्रार्थनाएं और प्यार व्यक्त करता हूं जो इस पीड़ा से गुजर रहे हैं।'

पीड़ितों में बच्चे और बड़े दोनों शामिल: सैन जोक्विन काउंटी शेरिफ कार्यालय (SJCSO) के अनुसार, पीड़ितों में बच्चे और बड़े दोनों शामिल हैं। शेरिफ कार्यालय के प्रवक्ता हीथर ब्रेंट ने कहा कि शुरुआती संकेत से यह एक सोची समझी साजिश लग रही है। इस समय हमारी पहली प्राथमिकता हमलावर की पहचान करना है।

जर्मनी में धुर-दक्षिणपंथी पार्टी एएफडी के यूथ विंग का विरोध

एजेंसी, बर्लिन

जर्मनी में शनिवार को धुर-दक्षिणपंथी पार्टी AfD के नए यूथ विंग जेनरेशन जर्मनी के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुआ। यह प्रदर्शन फ्रैंकफर्ट के पास गीसन शहर में हुआ। यहां करीब 25,000 लोग सड़कों पर उतर आए। गीसन में AfD का यूथ विंग बनाने के लिए कार्यक्रम रखा गया था। प्रदर्शनकारियों ने AfD के कार्यक्रम स्थल के बाहर नारेबाजी की। साथ ही सीटियां और ड्रम बजाए। हालात संभालने के लिए पुलिस ने 5,000 जवान तैनात किए थे। इस दौरान पत्थरबाजी भी हुई। इसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। भीड़ को हटाने के लिए पुलिस को वॉटर कैनन और पेपर स्प्रे तक इस्तेमाल करना पड़ा।

जर्मनी में AfD के नए युवा विंग के विरोध की सबसे बड़ी वजह नाजी दौर जैसी सोच का फिर से उभरने का डर है। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे हिटलर जैसी विचारधारा को देश में किसी भी रूप में दोबारा मजबूत नहीं होने देंगे। AfD ने नया युवा विंग इसलिए बनाया है क्योंकि उसका पुराना युवा संगठन जुंगे अल्टरनेटिव (JA) जर्मन खुफिया एजेंसी ने चरमपंथी घोषित किया था। इसके चलते उसे इस साल भंग करना पड़ा। JA पर नस्लवादी नारों और नाजी विचारधारा रखने वाले समूहों से संबंध रखने जैसे आरोप लगे थे।

जर्मनी की घरेलू सुरक्षा एजेंसी ने मई में AfD को भी दक्षिणपंथी चरमपंथी संगठन बताया था, जिसके बाद इसे बैन करने की मांग तेज हो गई थी। पार्टी ने इस फैसले को अदालत में चुनौती दी है। जर्मन चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने AfD को पूरी तरह बैन करने के विचार का विरोध किया है। उनका कहना है कि 1 करोड़ AfD वोटरों को आप बैन नहीं कर सकते। AFD युवाओं में बेहद लोकप्रिय है। AFD की नेता एलिस वीडल प्रवासियों के मुद्दे पर अपने सख्त रुख के लिए जानी जाती हैं।

साइक्लोन दितवाह से तमिलनाडु में 3 लोगों की मौत

एजेंसी, चेन्नई

साइक्लोन दितवाह के चलते बारिश से जुड़ी घटनाओं में तमिलनाडु में तीन लोगों की मौत हो गई। तूतीकोरिन और तंजावुर में रविवार को दीवार गिरने से दो लोगों की मौत हो गई। मयिलादुथुराई में करंट लगने से 20 साल के युवक की जान चली गई।

राज्य सरकार में मंत्री के रामचंद्रन ने बताया कि तटीय इलाकों में 234 झोपड़ियों/कच्चे घरों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 149 जानवरों की मौत हो गई है। खेती के काम वाली करीब 57,000 हेक्टेयर जमीन पानी में डूब चुकी है।

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद साइक्लोन दितवाह रविवार शाम को तमिलनाडु और पुडुचेरी के तटों से टकराएगा। मौसम विभाग ने कुड्डालोर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, विल्लुपुरम, चेंगलपट्टू समेत कई इलाकों में तेज हवाओं के

149 जानवरों की जान गई, 234 कच्चे घर टूटे, 57,000 हेक्टेयर खेती की जमीन डूबी

साथ भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

NDRF और SDRF समेत 28 से ज्यादा डिजास्टर रिस्पॉन्स टीमों को तैनात किया गया है। इनके अलावा महाराष्ट्र और गुजरात के NDRF बेस से 10 टीमें चेन्नई पहुंची हैं। तमिलनाडु में भारी बारिश के कारण शनिवार को 54 उड़ानें रद्द कर दी गईं। पुडुचेरी सेंट्रल यूनिवर्सिटी ने साइक्लोन के कारण छुट्टी घोषित कर सभी परीक्षाएं स्थगित कर दी हैं।

इजराइली पीएम नेतन्याहू ने राष्ट्रपति से माफी की अपील की, भ्रष्टाचार के मामलों में आरोपी हैं

एजेंसी, तेल अवीव

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपने खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार के मामलों में राष्ट्रपति इसाक हर्जोग से औपचारिक माफी मांगी है। राष्ट्रपति कार्यालय के मुताबिक नेतन्याहू के वकील अमित हादद ने 111 पन्नों का आवेदन जमा कराया। वकील हादद ने लिखा कि अगर यह माफी मिल जाती है तो प्रधानमंत्री नेतन्याहू पूरी ऊर्जा देश के अहम मुद्दों पर लगा सकेंगे। इजराइल में राष्ट्रपति को अधिकार है कि वे अदालत से दोषी ठहराए गए लोगों को माफी दे सकते हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भी हर्जोग को पत्र लिखकर नेतन्याहू के पक्ष में माफी की अपील की है। इससे पहले ट्रम्प कह चुके हैं कि अगर नेतन्याहू को सजा हुई तो हम ये बर्दाश्त नहीं करेंगे।

नेतन्याहू खिलाफ तीन अलग-अलग मामले दर्ज: नेतन्याहू के खिलाफ यह मुकदमा मई 2020 में शुरू हुआ था। उन पर इजराइल में धोखाधड़ी, विश्वासघात और रिश्वत लेने के तीन अलग-अलग मामलों में मुकदमा चल रहा है।

नेतन्याहू ने इन सभी आरोपों को झूठा और राजनीति से प्रेरित बताया है। फिलहाल इस मामले

में कम से कम 2026 तक फैसला आने की उम्मीद नहीं है। इसके बाद नेतन्याहू सुप्रीम कोर्ट में भी अपील कर कर सकते हैं।

नेतन्याहू पर केस को ट्रम्प राजनीतिक साजिश कह चुके: ट्रम्प ने 28 जून को नेतन्याहू के समर्थन में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया था। इस पोस्ट में उन्होंने नेतन्याहू के खिलाफ चल रहे भ्रष्टाचार केस की आलोचना की थी। उन्होंने इसे राजनीतिक साजिश बताया। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा इजराइल में नेतन्याहू के साथ जो हो रहा है, वो बेहद गलत

❐ ट्रम्प ने कहा था- सजा हुई तो बर्दाश्त नहीं करेंगे

है। वो एक जंग के हीरो हैं और अमेरिका के साथ मिलकर उन्होंने ईरान के खतरनाक परमाणु कार्यक्रम को रोकने में शानदार काम किया है। ट्रम्प ने आगे कहा, "ये पागलपन है और न्याय का मजाक है। अमेरिका हर साल अरबों डॉलर इजराइल की मदद में खर्च करता है। हम ये बर्दाश्त नहीं करेंगे। नेतन्याहू को इस मामले से मुक्त किया जाना चाहिए, उनके पास और भी बड़े काम हैं।"

अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में भी नेतन्याहू पर मुकदमा दर्ज: घरेलू मुकदमों के अलावा हेग स्थित अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय (ICC) ने नेतन्याहू पर युद्ध अपराध और मानवता के खिलाफ अपराध के आरोप में गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। आरोप है कि उन्होंने गाजा में आम नागरिकों को निशाना बनाया और भूख को एक रणनीति की तरह इस्तेमाल किया। हालांकि ये केस भ्रष्टाचार मामलों से अलग है, लेकिन इससे नेतन्याहू की छवि पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी असर पड़ा है।

नेशनल हेराल्ड केस- सोनिया व राहुल पर नई एफआईआर

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (EOW) ने नेशनल हेराल्ड केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ नई FIR दर्ज की है। इसमें उनके अलावा छह अन्य लोगों और तीन कंपनियों के नाम शामिल हैं। ये तीन कंपनियां हैं- AJL, डोटेक्स मर्चेंडाइज और यंग इंडियन। इन सभी पर एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) को धोखाधड़ी से हासिल करने का आरोप है। शिकायत के मुताबिक, 2010 में AJL के पास करीब 2,000 करोड़ रुपए मूल्य की संपत्तियां थीं। कोलकाता की डोटेक्स मर्चेंडाइज ने यंग इंडियन को 1 करोड़ रुपए दिए, जिसके बाद यंग इंडियन ने कांग्रेस को 50 लाख रुपए चुकाकर AJL पर नियंत्रण हासिल किया। यंग इंडियन में राहुल और सोनिया गांधी की 76% हिस्सेदारी है।

FIR 3 अक्टूबर को ED की हेडक्वार्टर्स इन्वेस्टिगेशन यूनिट (HIU) की शिकायत पर दर्ज की गई थी। ED ने 2008 से 2024 तक की अपनी जांच रिपोर्ट साझा की थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई हुई। इसकी जानकारी शनिवार को सामने आई। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली पुलिस जल्द

ही AJL के शेयरधारकों को तलब कर सकती है, ताकि यह पता चले कि क्या इस ट्रांसफर से पहले कांग्रेस ने उनसे अनुमति ली थी। कांग्रेस ने आरोपों को राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताया है और कहा है कि उन्हें FIR की जानकारी नहीं है।

अब समझें नेशनल हेराल्ड केस क्या है?: BJP नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने 2012 में दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक याचिका दाखिल करते हुए सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के ही मोतीलाल वोरा, ऑस्कर फर्नांडीज, सैम पित्रोदा और सुमन दुबे पर घाटे में चल रहे नेशनल हेराल्ड अखबार को धोखाधड़ी और पैसों

❐ दिल्ली पुलिस ने ईडी की शिकायत पर दर्ज की, एजेएल कंपनी को धोखाधड़ी से हासिल करने का आरोप

की हेराफेरी के जरिए हड़पने का आरोप लगाया था। आरोप के मुताबिक, कांग्रेसी नेताओं ने नेशनल हेराल्ड की संपत्तियों पर कब्जे के लिए यंग इंडियन लिमिटेड ऑर्गेनाइजेशन बनाया और उसके जरिए नेशनल हेराल्ड का प्रकाशन करने वाली एसोसिएटेड जर्नल लिमिटेड (AJL) का अवैध अधिग्रहण कर लिया। स्वामी का आरोप था कि ऐसा दिल्ली के बहादुर शाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 2000 करोड़ रुपए की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए किया गया था। स्वामी ने 2000 करोड़ रुपए की कंपनी को केवल 50 लाख रुपए में खरीदे जाने को लेकर सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत केस से जुड़े कांग्रेस के अन्य वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ आपराधिक मुकदमा चलाने की मांग की थी। आरोपियों में से मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज की मौत हो चुकी है।

एसआईआर की डेडलाइन 7 दिन बढ़ी

एजेंसी, नई दिल्ली

चुनाव आयोग ने 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) की समय सीमा एक सप्ताह बढ़ा दी है। आयोग ने शनिवार को कहा कि अब अंतिम मतदाता सूची 14 फरवरी 2026 को प्रकाशित की जाएगी। मतदाता जोड़ने-हटाने का एन्यूमरेशन पीरियड यानी वोटर वेरिफिकेशन अब 11 दिसंबर तक चलेगा, जो पहले 4 दिसंबर तक तय था। वहीं, पहले ड्राफ्ट लिस्ट 9 दिसंबर को जारी होनी थी, लेकिन अब इसे 16 दिसंबर को जारी किया जाएगा। दरअसल बिहार के बाद देश के 12 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में SIR 28 अक्टूबर से शुरू हुआ है। इस प्रोसेस में वोटर लिस्ट का अपडेशन होगा। नए वोटरों के नाम जोड़े जाएंगे और वोटर लिस्ट में सामने आने वाली गलतियों को सुधारा जाएगा। शनिवार को चुनाव आयोग ने अपनी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि

◆ 12 राज्यों में वोटर वेरिफिकेशन 11 दिसंबर तक चलेगा, फाइनल लिस्ट 14 फरवरी को जारी होगी

51 करोड़ मतदाताओं के लिए बनाए गए गणना फॉर्म में से 99.53% फॉर्म लोगों तक पहुंचा दिए गए हैं। इनमें से लगभग 79% फॉर्म का डिजिटलीकरण भी पूरा हो चुका है। यानी यानी घर-घर से BLO जो फॉर्म भरकर लाते हैं, उनमें लिखे नाम, पते और अन्य विवरण को ऑनलाइन सिस्टम में दर्ज किए जा चुके हैं।

लुधियाना में शादी में फायरिंग, 2 बदमाश भिड़े

एजेंसी, लुधियाना

पंजाब के लुधियाना में शादी समारोह में अंकुर और शुभम मोटा बदमाश भिड़ गए। दोनों तरफ से एक-दूसरे पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई, जिसमें दूल्हे की मौसी और उसके दोस्त की मौत हो गई। वहीं एक व्यक्ति घायल हो गया। घायल को डीएमसी अस्पताल में दाखिल किया गया है। देर रात शादी समारोह पखोवाल रोड स्थित बाथ कैसल पैलेस में चल रहा था। यह शादी झूला ठेकेदार के परिवार में थी। पैलेस में गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना के वक्त हल्का नॉर्थ के विधायक मदन लाल बग्गा भी मौजूद थे। घटना के वक्त पैलेस में करीब 700-800 लोग मौजूद थे। 18 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस कमिश्नर स्वप्न शर्मा ने बताया कि बदमाशों के साथ पैलेस मैनेजमेंट और उन्हें इनवाइट करने

◆ चदुल्हन की एंट्री से पहले गोलियां चलाईं, दूल्हे के दोस्त-मौसी की मौत

वालों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। 6 लोगों को राउंडअप किया गाया है। सूत्रों के अनुसार बदमाशों के 2 गुटों के बीच किसी पुराने विवाद को लेकर कहासुनी हुई, जो कुछ ही मिनटों में हाथापाई में बदल गई। इसके बाद फायरिंग कर दी गई। 20 राउंड से ज्यादा फायरिंग हुई है।

दिल्ली ब्लास्ट- खाड़ी देश भागने वाली थी डॉ. शाहीन

एजेंसी, फरीदाबाद

दिल्ली ब्लास्ट के आतंकी मॉड्यूल में शामिल डॉ. शाहीन सईद ब्लास्ट के बाद खाड़ी देश में जाकर पाकिस्तानी हैंडलर से मिलने वाली थी। इसके लिए शाहीन नया पासपोर्ट बनवा रही थी। उसने दिल्ली ब्लास्ट से 7 दिन पहले पासपोर्ट वेरिफिकेशन कराया, लेकिन पुलिस पासपोर्ट से संबंधित रिपोर्ट को जमा नहीं करा पाई, जिस कारण शाहीन को देश से निकलने का मौका नहीं मिला। सूत्रों के अनुसार, शाहीन के लॉकर से खाड़ी देशों की करेंसी मिलने के बाद उसकी पूर्व में की गई यात्राओं का पूरा डेटा नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) निकाल रही है। पता किया जा रहा है कि यात्राओं में उससे कौन मिला, किन होटलों में वह ठहरी, किस समय किस देश की यात्रा की?

जांच एजेंसी के सूत्र बताते हैं कि डॉ. शाहीन सईद के पास 2 पासपोर्ट थे। उन पर उसने सालों तक खाड़ी देशों की यात्राएं कीं। इन देशों में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, दुबई शामिल हैं। डॉ. शाहीन इन देशों में जाकर आतंकी नेटवर्क के लिए एनजीओ के जरिए फंड इकट्ठा कर रही थी। हालांकि, दिल्ली में ब्लास्ट के बाद किस खाड़ी देश में पाकिस्तानी हैंडलर से वह क्यों मिलने वाली थी, यह साफ नहीं हो सका है। एजेंसी की जांच में डॉ. शाहीन और संदिग्ध मिले 3 एनजीओ के बैंक खाते में कई संदिग्ध

◆ पाकिस्तानी हैंडलर से मिलना था, नया पासपोर्ट न बन पाने से निकलने का मौका नहीं मिला

लेनदेन मिले। वह NIA की रिमांड पर है।

लॉकर से मिले कैश और सोने की जांच: जांच एजेंसी अब अल फलाह यूनिवर्सिटी में शाहीन के लॉकर से मिले 18.50 लाख कैश और सोने के बिस्किट सहित दूसरे गहनों की जांच में जुटी है। इतनी भारी मात्रा में कैश कब यहां लाया गया और इस फंड को कैसे इकट्ठा किया गया, इसकी जांच NIA कर रही है। जांच एजेंसी के सूत्र बता रहे हैं कि इस पैसे का इस्तेमाल लोकल सपोर्ट पाने के लिए किया जा रहा था। इसी फंड से फरीदाबाद की अल फलाह अस्पताल में आने वाले गरीब लोगों की आर्थिक तौर पर मदद कर उन्हें अपने नेटवर्क में शामिल किया जा रहा था। खाड़ी देशों में डॉ. शाहीन के संपर्क में आने वाले लोगों की सूची भी जांच एजेंसी तैयार कर रही है।

शाहीन को लखनऊ और कानपुर लेकर जाएगी NIA: लेडी आतंकी शाहीन को NIA जल्द ही लखनऊ और कानपुर लेकर जाएगी। शाहीन कानपुर की रहने वाली है। उसके पिता सैयद अहमद अंसारी लखनऊ में रहते हैं, जबकि उसका बड़ा भाई शोएब अंसारी और छोटा भाई डॉ. परवेज अंसारी (इंटीग्रल यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर) लखनऊ में रहते हैं। लखनऊ में उनके घर छापे मारे गए थे और फाइनेंशियल ट्रांजेक्शन चेक किए गए थे। परवेज अंसारी को यूपी एटीएस ने गिरफ्तार किया है। कानपुर में शाहीन 2006 से 2013 तक जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में फार्माकोलॉजी की प्रवक्ता और विभागाध्यक्ष रही। यहीं रहते हुए एनजीओ के संपर्क में थी। इन्हीं एनजीओ के माध्यम से खाड़ी देशों से शाहीन फंड जुटा रही थी। जांच एजेंसियों को इसका पता अपनी जांच के दौरान चला। यहां शाहीन को ले जाकर फरीदाबाद की तरह निशानदेही कराई जाएगी। शाहीन यहां किस-किस से मिलती थी, उसके परिवार के किन लोगों से संपर्क थे, इसके बारे में जांच की जाएगी। इसके अलावा शाहीन के घर को फिर से तलाशा जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com